शब्दसंसार

संज्ञा भाग 4

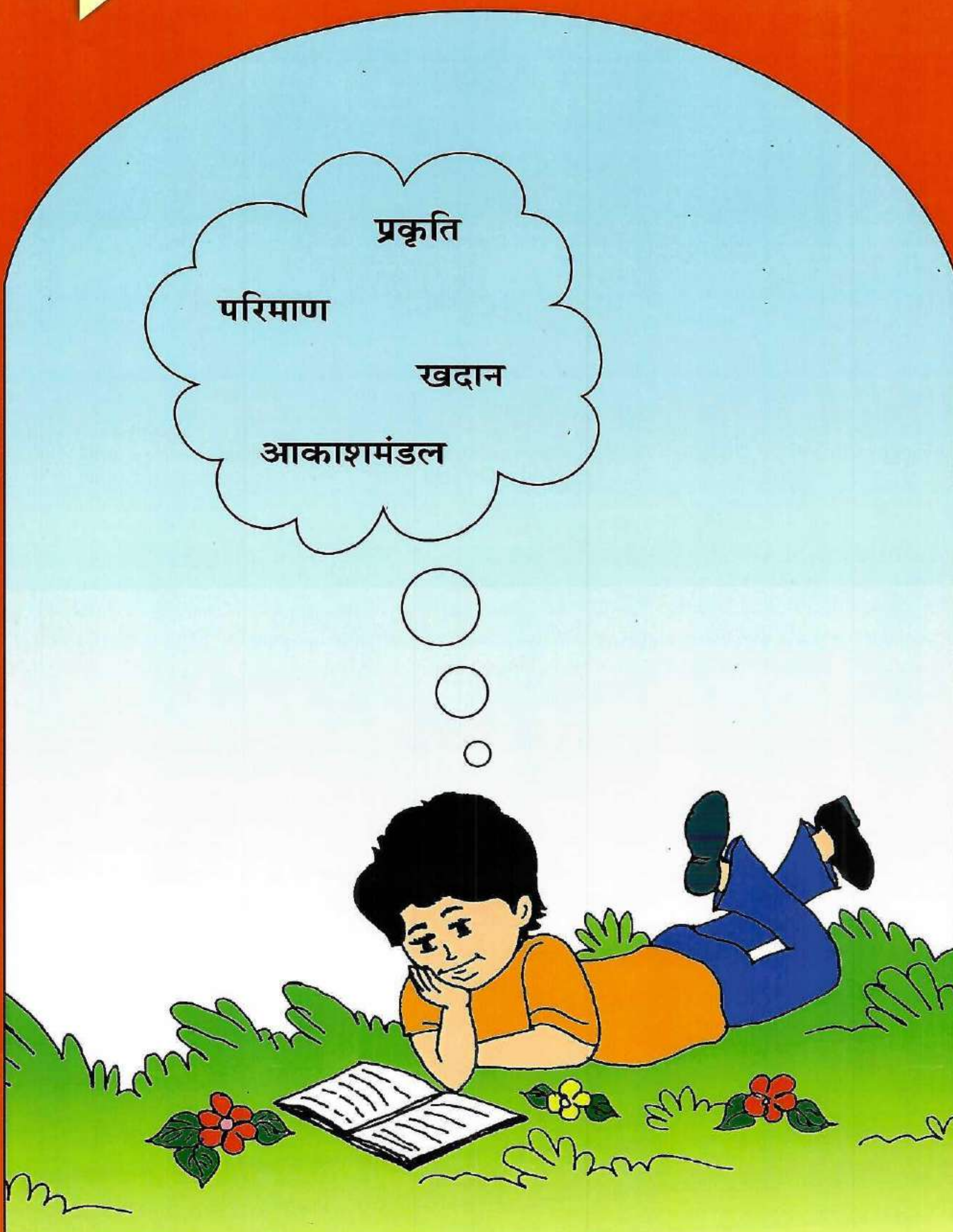

HLP Project S&T Mission Mode Government Of India
Department of Speech-Language Pathology
AYJNIHH, Bandra MUMBAI 400 050.

ACKNOWLEDGMENT

A systematic training material easily accessible to teachers and parents of the language disordered children, a cherished distant dream has become a reality. Thanks to Science and Technology Mission Mode, Govt. of India for helping us realize this, by providing financial assistance. Their regular review and suggestions enabled us critically evaluate the material.

We are indebted to Shri Rangasayee, Director, A.Y.J.N.I.H.H. for motivating us to take up this comprehensive project and providing continuous support and guidance at every stage of the project.

Such extensive material needed critical evaluation for which we are grateful to Dr. Vijayalakshmi Basavraj, Dy. Director (Tech.), A.Y.J.N.I.H.H. who gave invaluable suggestions and support.

We highly appreciate and thank Dr. Geetha Mukundan, Reader & Head, Department of Speech-Language Pathology, A.Y.J.N.I.H.H. for providing departmental facilities and steady support throughout the project. Our special thanks to Mrs. Varsha Gathoo, Reader and Head, Department of Education, A.Y.J.N.I.H.H., for the feedback and suggestions which helped us to improve upon our earlier drafts.

We thank Dr. Sureshkumar, Ex-Director of Kendriya Hindi Sansthan, Agra and Dr. Medha Karbhari - Adhyaru for their guidance in finalizing the list of vocabulary of the books.

We appreciate the co-operative and unconditional support provided by the respective Principals and Teachers of the following Special Schools for The Hearing Impaired in Delhi and Mumbai, who in spite of their busy schedule dedicated their valuable time for field testing the material without which the material would not have taken this shape.

Asha Special School, New Delhi, Association of Welfare of Handicap, Faridabad, New Delhi, Awaz Special School for Deaf, New Delhi, Koshish School for Deaf, Malad, Mumbai, M.P.K. Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Harayana, Pragati School for Deaf, Dadar, Mumbai, Premalabai Chavan School for Deaf, New Delhi, Rochiram Thandhani School for Hearing Handicapped, Chembur, Mumbai, Shivaji Park School for the Deaf, Mahim, Mumbai, Shruti School for Deaf, Juhu, Mumbai, Utkarsha School for the Deaf, Vile Parle, Mumbai, Welfare Center for Impaired, Sonepat, New Delhi, Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Gurgaon, New Delhi.

The parents of children with hearing impairment provided us with positive feedback on this material and stressed the utility and need for such material. We are highly indebted to them. A heart felt thanks to them.

Development of the books would have been incomplete without the support of the proofreaders. We take this opportunity to thank Mrs. Namrata Pawar, Hindi Section, A.Y.J.N.I.H.H. and Mr. Chandravir Banshidhar Yadav for proof reading the material.

We acknowledge Prof. J.C. Sharma for helping us with statistical analysis.

We are grateful to Mrs. Meenal Umrao and Mrs. Nayna Shinde for their umatched consistent and robust hardwork and sometimes working during odd hours to catch up with the project work.

The prompt support always provided by Mr. Nitin Warekar, Hardware Engineer, Establishment, Accounts and Hindi Section is greatly valued.

Usha Dalvi
Principal Investigator

Sadhana Relekar
Co Investigator

PROJECT DETAILS

Funded by : *S & T mission mode, Government of India.*

Conducted by : *Department of Speech-Language Pathology, Ali Yavar Jung National Institute for the Hearing Handicapped, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Bandra,, Mumbai - 50.*

Project Group:

- *Principal Investigator* : *Mrs. Usha Dalvi (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*
- *Co-Investigator* : *Ms. Sadhana Relekar (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*

Research Team:

- *Linguist* : *Dr. Rita Mathur*
- *Special Educator* : *Mrs. Bindiya Kamble*
- *Special Educator* : *Mrs. Sneha Tambe*

Illustrations:

- *Commercial Artist* : *Ms. Leena Teli*
  Ms. Varuna Naik

Layout and Visualization : *Sun Graphics*

Copy right:

All rights reserved. No part of this book may be reproduced stored in retrieval system, or transmitted in any means, electronic mechanical, photocopying, recorded or otherwise, without written permission of.................................

दो शब्द शिक्षकों एवम् अभिभावकों से

श्रवण बाधित बच्चों में भाषा ज्ञान के संवर्धन और परिवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं। परंतु इन प्रयासों की जानकारी केवल कुछ ही लोगों को है जो इस समस्या के प्रति जागरुक हैं। यह भी देखने में आया है कि श्रवण बाधित बच्चों में बोलने की क्षमता व भाषिक विकास के लिए आवश्यक सामग्री का भी अभाव है। ये बच्चे संपूर्ण रूप से स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सामान्य होते हैं, परंतु केवल श्रवण विकलांगता के कारण भाषिक ज्ञान से वंचित रह जाते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिये ही यह पुस्तक मालिका प्रस्तुत की जा रही है। इस पुस्तक मालिका में क्रमिक रूप से भाषा के जटिल रूपों को सरल चित्रों व सरल लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तक मालिका तीन वर्गों में विभाजित है। प्रथम - वर्ण संसार, द्वितीय - शब्द संसार तथा तृतीय - वाक्य संसार। जैसा कि नाम से विदित है, यह पुस्तकमालिका क्रमश: वर्णमाला, शब्द संरचना और वाक्य विन्यास का ज्ञान कराती है। भाषा का ज्ञान कराने वाली पुस्तकें बहुत सी हैं जो हिंदी की सभी व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान कराती हैं, किंतु सभी पुस्तकें पाठ्यक्रम के अनुसार निर्मित हैं और सामान्य विद्यार्थी के लिए लाभप्रद भी है, पर ये श्रवण बाधित बच्चे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के कारण उन पुस्तकों का लाभ नहीं उठा पाते। श्रवण विकलांगता के कारण वे प्राय: भाषा सीखने और उसके बहुत से प्रयोगों, उदाहरण स्वरूप भाषा के अलंकारिक प्रयोग से अनभिज्ञ रह जाते हैं। अत: इन बच्चों की शब्द आधारित भाषा सीखने की असमर्थता को ध्यान में रखते हुए ही इस पुस्तक मालिका की रचना की गई है।

'वर्ण संसार' की पुस्तिकाएँ वर्णों के आकार और रूप का ज्ञान कराती हैं। 'शब्द संसार' की पुस्तिकाएँ शब्दों के विभिन्न प्रयोगों और उनके व्यापक अर्थ का परिवर्धन कराती हैं तथा 'वाक्य संसार' की पुस्तिकाएँ विभिन्न वाक्यों की संरचना एवम् हिंदी व्याकरण की जटिलताओं को सरल रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास करती हैं। इस पुस्तक मालिका से दो वर्ष से आठ वर्ष के आयु वर्ग के श्रवण बाधित बच्चों में भाषा विकास संपूर्ण रूपसे हो जाएगा, यह समझना सही नहीं होगा। परंतु इस पुस्तक मालिका का प्रयोग इन बच्चों के अध्यापकों, अभिभावकों एवं अन्य वे सभी जो भाषा अल्पता एवं शुद्धता की समस्या को सुलझाना चाहते हैं, उनका पथ एवं दिशा निश्चित करने में सहायक होगी। साथ ही यह पुस्तकमालिका सभी बच्चों में भाषा अर्जन, बोलना, वाचन और लेखन क्षमताओंका विकास करने में भी सहायक सिद्ध होगी। कृपया इस विषय में अपने अनुभव हमें अवश्य बताएँ। इस पुस्तक मालिका को सहायक सामग्री के रूप में और अधिक परिवर्धित एवं उपयोगी करने की दिशा में आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

धन्यवाद ...

संज्ञा

संज्ञा का अर्थ नाम होता है। किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा पाँच प्रकार की होती है।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी विशेष मनुष्य, प्राणी, स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं; जैसे-
मुंबई, इंदिरा गांधी, भारत, गजेंद्र इत्यादि।

2. जातिवाचक सज्ञा : जो संज्ञा शब्द सामान्य जाति का बोध कराते हैं; जैसे- किसान, फूल, जहाज, नदी, गाय, पक्षी इत्यादि।

3. भाववाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी विचार, भाव, दशा, गुण, दोष इत्यादि को प्रकट करते हैं; जैसे- प्रेम, चोरी, मित्रता, कंजूसी इत्यादि।

4. समुदायवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द समूह या समुदाय को प्रकट करते हैं; जैसे- सभा, भीड़, परिवार, सेना, पुलिस इत्यादि।

5. द्रव्यवाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द राशि या ढ़ेर के रूप में पाए जाते है; जैसे- तेल, घी, पानी, बर्फ, रुई इत्यादि।

संज्ञा शब्दों को चित्रों एवं छोटे-छोटे वाक्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जिससे कर्णबाधित बच्चे शब्द एवं अर्थ के संबंध को चित्र के द्वारा आत्मसात कर सकें । संज्ञा शब्द ज्ञान पुस्तिका 4 भागों में विभाजित की गई है ।

भाग 1 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- कपड़े, खेल, खान-पान इत्यादि।

भाग 2 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- फल, फर्निचर, जानवर इत्यादि।

भाग 3 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- घर , गाँव, मौसम इत्यादि।

भाग 4 में जिन क्षेत्रों से इनका चयन किया गया है वे इस प्रकार हैं :- शौक , प्रकृति , खदान इत्यादि।

संज्ञा शब्दों को इन सब भागों में संदर्भसहित प्रस्तुत किया गया है।

संज्ञा भाग 4

यह पुस्तिका हिंदी भाषा की मूल शब्दावली को संदर्भ सहित प्रस्तुत करती है। इसका मुख्य उद्देश्य श्रवण बाधित बच्चों को हिंदी भाषा के शब्दों से अवगत कराना है,

अत: मूल शब्दावली को संदर्भ सहित प्रस्तुत किया गया है। शब्दावली का चयन

विभिन्न क्षेत्रों से किया गया है। जिससे प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित शब्दों का समावेश हो सके। भाषा का स्तर सरल से सरल रखा गया है। मुख्य शब्दों को चित्रों के माध्यम से भी व्यक्त किया गया है। पाठ के अंत में अभ्यास एवं गतिविधियों के लिए स्थान दिया गया है। आशा है कि पुस्तक की रोचक शैली के द्वारा श्रवणबाधित बच्चे विभिन्न क्षेत्रों

से संबंध रखने वाले शब्दों को अवश्य सीख सकेंगे।

जिन क्षेत्रों से संबधित शब्दों का चयन किया गया है। वे इस प्रकार हैं :-

1) शौक
2) परिमाण
3) संचार और संपर्क
4) खदान
5) पर्यावरण
6) प्रकृति-1
7) प्रकृति-2
8) आकाश मंडल
9) कानून व्यवस्था
10) छोटे-बड़े उद्योग

नोट : यहाँ सीमित क्षेत्रों के बारे में बताया गया है। मौका मिलने पर अन्य क्षेत्रों के बारे में भी बच्चों को इसी तरह बताइए और वास्तविक अनुभव दीजिए।

इस पुस्तिका में समावेश की गयी प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित शब्दावली इस प्रकार है :

1. शौक	शंख-सीप, शौक, बालू के किले, समुद्र किनारा, पहचान, बरबादी, संग्रह, नुकसान, यादें, इकट्ठा करना
2.परिमाण	क्विंटल, किलो, ग्राम, लीटर, मिली लीटर, मीटर, किलो मीटर, दर्जन, गड्ड़ी, नग, फुट, बालिश्त, अंगुल, तोलना, नापना, ठोस, द्रव, परिमाण
3.संचार और संपर्क	संदेश, प्रशिक्षण, घुड़सवार, हरकारे, ताड़ के पत्ते, संपर्क, कल्पना, वास्तव, तरक्की, वैद्यकीय, तकनीक, चलचित्र, खोज
4.खदान	ऊर्जा, साधन,पैमाना, खनिज, खदान, खान मजदूर, सुरंग, ट्रॉली, कारखाना, भू-विशेषज्ञ, टॉर्च, प्राकृतिक संपत्ति, ईंधन, भुयार
5.पर्यावरण	प्रकृति, पर्यावरण, दुष्परिणाम, प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, राष्ट्रीय संपत्ति, प्रदूषित होना
6.प्रकृति-1	प्रकृति, सजीव, निर्जीव, श्वसन, ऊर्जा, जीवन-मृत्यु, जीवनचक्र, दुर्घटना, अवयव, जन्म
7. प्रकृति-2	बरबादी, स्रोत, औद्योगिक क्षेत्र, समुद्री जीव, सूखा, प्राकृतिक, सागरी संपत्ति, मर्यादित, जनसंख्या, अकाल, बाढ़
8.आकाश मंडल	अंतरिक्ष यान, अंतरिक्ष यात्री, आकाश मंडल, रोमांचक, कक्षा, ग्रह, उपग्रह, गुरुत्वाकर्षण, तारा
9. कानून व्यवस्था	गुनाह, गुनाहगार, चोरी, हत्या, मारपीट, कानून, न्यायाधीश, वकील, गवाह, अदालत, जुर्म, सजा, जेल, पुलिस, पंचायत, न्यायालय, सुधार ग ृ ह

पाठ्यसूची

क्र.	पाठ	पृष्ठ क्र.
1.	नीता का शौक	1
2.	परिमाण	६
3.	संचार और संपर्क	12
4.	खदान	18
5.	पर्यावरण	23
6.	प्रकृति -1	29
7.	प्रकृति -2	36
8.	आकाश मंडल	42
9.	न्याय व्यवस्था	48
10.	छोटे बड़े उद्योग	54

पाठ 1-नीता का शौक

शंख, सीप, शौक, बालू के किले, समुद्र किनारा, यादें, पर्यटन, ज्ञान, डाक टिकट, नृत्य

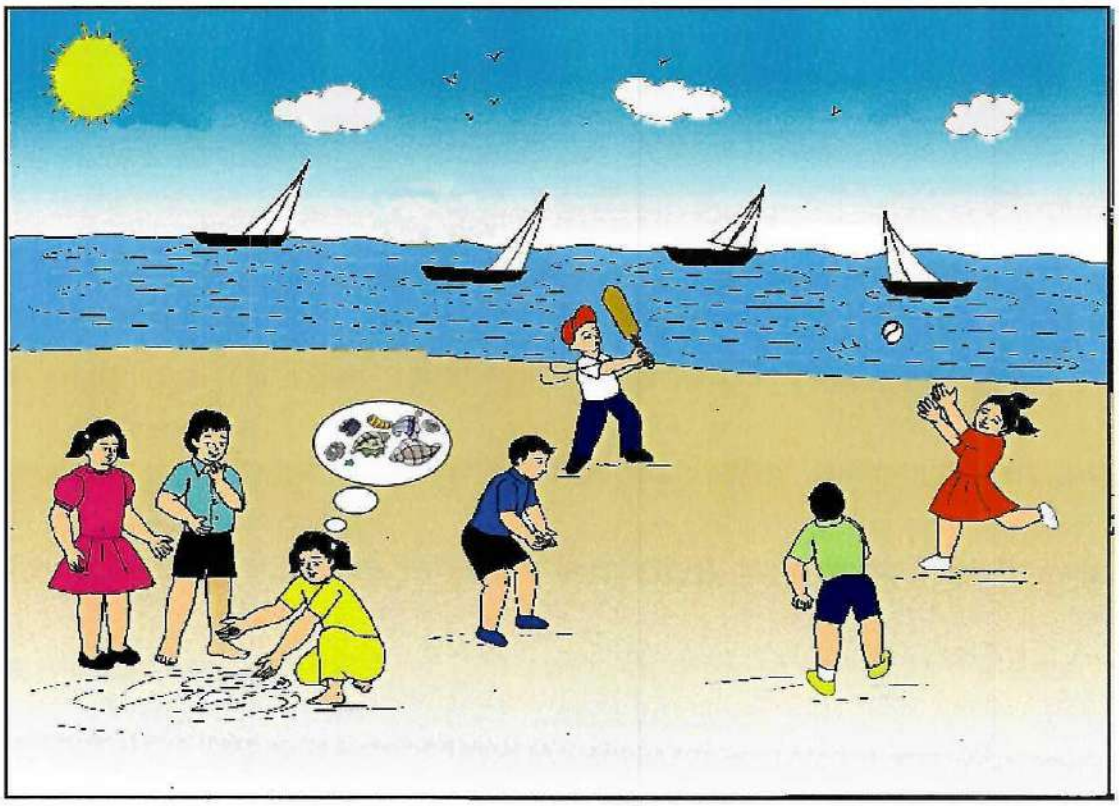

नीता स्कूल से पिकनिक गई थी। सभी बच्चे **समुद्र किनारे** खेल रहे थे। कोई **बालू के किले** बना रहा था, तोकिसी बच्चों ने अपना **क्रिकेट का खेल** शुरू किया था। लेकिन इन सबसे अलग नीता अकेली **बालू** में कुछ ढूँढ़ रही थी।

यह देखकर नीता के दोस्त वहाँ आए और उन्होंने पूछा, "अरे नीता तुम क्या कर रही हो?" नीता ने कहा, "मैं **शंख-सीपियाँ** ढूँढ़ रही हूँ।"

शेखर ने पूछा, " तुम इन **शंख-सीपियों** का क्या करोगी?"

नीता ने कहा, "मुझे **शंख-सीपियाँ** इकट्ठा करने का **शौक** है। मैं इनका **संग्रह** करती हूँ। मैं जहाँ भी घूमने जाती हूँ, वहाँ से अलग-अलग रंग और आकार के **शंख सीपियाँ** ढूँढ़ती हूँ। उन्हें अपने **संग्रह बक्से** में रखती हूँ। ऐसा करना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे इससे खुशी मिलती है। कभी-कभी तो मैं दुकान से भी **शंख सीपियाँ** खरीदती हूँ।"

तभी शेखर ने बताया, "मुझे भी अलग-अलग **डाक टिकट** इकट्ठा करने का शौक है। मैंने अलग-अलग देशों के **डाक टिकट** इकट्ठे किए हैं और उनको बड़ी कापी में चिपकाये हैं।"

वहाँ पर खड़े मास्टर जी उनकी सारी बातें सुन रहे थे। मास्टर जी ने कहा, "सबको, कोई न कोई अच्छा **शौक** होना चाहिए। **संगीत** सुनना, **गाने** गाना, **नृत्य** करना, **किताबे** पढ़ना, **चित्र** बनाना, **सिक्के इकट्ठा** करना, **पर्यटन** करना, **बेकार चीजों से उपयुक्त चीजें** बनाना ये सब **अलग-अलग शौक** हैं। **शौक** से मनोरंजन होता है। हमारा **ज्ञान** भी बढ़ता है। हमारी पहचान भी हमारे शौक से हो सकती है।"

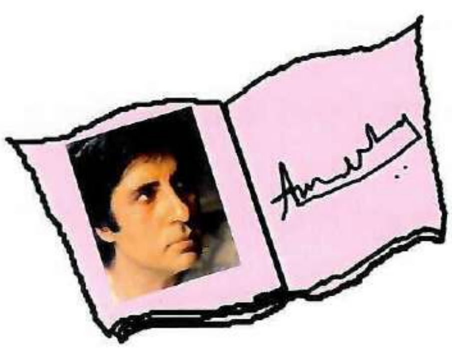

नीता ने कहा, "मास्टर जी, उनसे हमारी यादें भी जुड़ी होती हैं, जैसे मैं अपने **संग्रह बक्से** को देखती हूँ, तो मुझे याद आता है कि ये **शंख** मैंने कहाँ, और कैसे **इकट्ठे किए** हैं?" राजू ने कहा, "मेरी माँ को **बागकाम** का शौक है। हमारे घर के आँगन में **चमेली, शंखफूल** के बेल हैं और **मोगरा, गुलाब, रातरानी** के पेड़ हैं। माँ जहाँ भी जाती है वहाँ से तरह तरह के **पौधे** और **बीज** लाती है। स्मीता ने कहा, "मेरी बहन को **फोटो** खींचने का शौक है। वह दूर दूर जाकर फोटो खींचती है। अगले रवीवार उसके **फोटो की प्रदर्शनी** है। हम सब वह देखने जाएंगे। मास्टर जी ने कहा, "बिल्कुल ठीक कहा तुमने नीता! अच्छे **शौक** रखना अच्छी बात है। लेकिन ध्यान रहे हमारे **शौक** से किसी को नुकसान नहीं होना चाहिए।"

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) संग्रह बक्से में क्या रखते हैं?

अ) कपड़े
ब) इकट्ठा की हुई शौक की वस्तुएँ
क) रंगबिरंगे गुब्बारे

2) निम्नलिखित में से कौन सा शौक है?

अ) पत्थर मारना
ब) ऑफिस जाना
क) सिक्के जमा करना

3) शौक से क्या होता है?

अ) मनोरंजन
ब) समय की बरबादी
क) नुकसान

II) पाठ के आधार पर नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्य सही करके लिखिए।

1) बच्चे समुद्र किनारे खाना खा रहे थे।

____

2) नीता को काँच के टुकड़े इकट्ठा करने का शौक है।

____

3) शंख-सीपियाँ समान आकार और रंग के होते हैं।

____

4) शौक से हमारा नुकसान होता है।

____

5) शौक रखना अच्छी बात होती है।

____

III) पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) नीता बालू में क्या कर रही थी?

____

2) शेखर को कौन सा शौक है?

____

3) नीता शंख-सीपियाँ कहाँ रखती है?

____

4) शौक से क्या होता है?

____

5) संग्रह बक्से को देखकर नीता को क्या याद आता है?

____

IV) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) आपको कौन सा शौक है उसके बारे में 5 वाक्य लिखिए ।

____

____

____

____

____

2) क्या आपका संग्रह बक्सा है और उसमें आप क्या-क्या रखते हो?

____

____

____

3) तुम्हारे दोस्त या सहेली को कौन सा शौक है उसके बारे में 5 वाक्य लिखिए। ?

____

____

____

____

____

पाठ 2 - परिमाण

ग्राम, किलो, मिली लीटर, लीटर, मीटर, फुट, नग, गड्डी, दर्जन, ठोस, द्रव,परिमाण

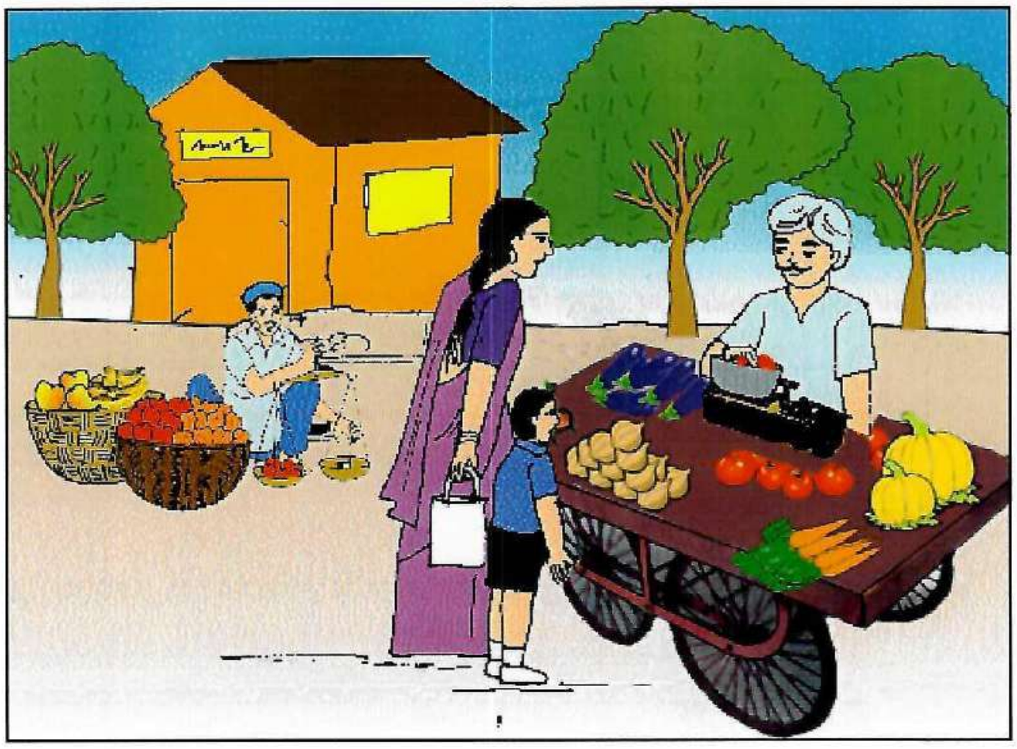

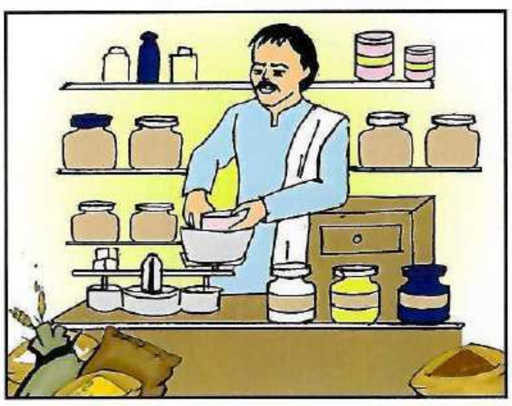

शेखर के मौसा-मौसी दिल्ली से आने वाले थे। माँ ने शेखर से कहा, "शेखर, बाजार जा के **आधा किलो** टमाटर, **आधा किलो** सेब और दूध लेकर आओ।" शेखर ने पूछा, "माँ, दूध **कितने किलो**?" यह सुनकर माँ हँस पड़ी। माँ ने कहा, "बेटा, दूध को **किलो** में नहीं **लीटर में नापते** हैं। तुम मेरे साथ बाजार चलो और सारी बाते जान लो।"

दोनों थैला लेकर बाजार गए। माँ ने फल वाले से सेब, आम, केले का भाव पूछा। फल वाले ने बताया सेब **1 किलो** 50 रूपये, आम **1 दर्जन** 100 रूपये, केले **1 दर्जन** 15 रूपये।

माँ ने शेखर को बताया देखो अंगूर, सेब, टमाटर, प्याज, आलू, जैसी **ठोस** वस्तुएँ **किलो** में तोलते हैं। **1 किलो** मतलब **1000 ग्राम** और **आधा किलो** मतलब **500 ग्राम**। सालभर के लिए हम **1 क्विंटल** मतलब 100 किलो गेहूँ या चावल खरीदकर घर में रखते हैं। आम, संतरा, केला ऐसे फल **दर्जन** के हिसाब से मिलते हैं। **1 दर्जन** मतलब 12 वस्तुएँ। **1 दर्जन** आम मतलब 12 आम समझे?" शेखर ने कहा, "हाँ, माँ हम किताबें-पेंसिलें भी **दर्जन** में खरीदते हैं। अब हम **500 ग्राम** सेब लेंगे ना?" माँ ने कहा, "हाँ, और **आधा दर्जन** आम भी खरीदेंगे।" माँ ने फल वाले को पैसे दिए।

फिर वे सब्जीवाले के पास गए। माँ ने वहाँ से **आधा किलो** टमाटर और ढ़ाई **किलो** प्याज खरीदें। फिर माँ ने पालक की **गड्डी** हाथ में लेकर देखी, "देखो बेटा, ऐसी पत्तीवाली सब्जियाँ **गड्डी** में मिलती हैं, हमें एक **गड्डी** के हिसाब से दाम देने होते हैं।" माँ ने सब्जीवाले से एक धनिये की **गड्डी** 5 रूपये में ली।

फिर दोनों दूध की दुकान में गये। वहाँ फलक पर लिखा था दूध का भाव 20 रूपये प्रति **लीटर।** माँ ने कहा," देखो बेटा दूध, तेल, पानी, शरबत, जो **द्रव** कहलाते हैं, इन्हें **लीटर** में **नापते हैं**। **1 लीटर मतलब 1000 मिलीलीटर** होता है। कहीं-कहीं तेल **किलो** में भी **नापते हैं।**" माँ ने शेखर से **आधा लीटर** दूध लेने को कहा।

फिर दोनों कपड़े की दुकान में गये। माँ ने वहाँ शेखर की मौसी के लिए पंजाबी सूट का कपड़ा खरीदा। माँ ने दुकानदार को **5 मीटर** कपड़ा देने को कहा। माँ ने शेखर को बताया, "देखो कपड़े खरीदते समय कपड़े को **मीटर में नापते हैं**। पैसे चुकते करके वे चल पड़े। "

वहाँ से चलते चलते माँ ने कहा, "देखो एक शहर से दूसरे शहर की दूरी ,सड़क की लंबाई को किलोमीटर में **नापते हैं**। इस तरह से हम परिमाण की सहायता से आसपास की सारी चीजें **नाप** या **तोल** सकते हैं। देखो फूलों का गजरा **फुट** में **नापते हैं**। कभी-कभी नग के हिसाब से भी गजरे मिलते हैं।" शेखर ने तुरंत कहा, "नग?"

तभी शेखर ने समोसे की दुकान देखी, वहाँ लिखा था, "समोसा **1 नग** 4 रुपये" हाथ दिखाते हुए माँ ने कहा, "**1 नग** मतलब **1 वस्तु** जैसे समोसा, खरबूजा, नारियल, अनार, गुलाबजामुन आदि **नग** मे बिकते हैं। शेखर ने कहा, "माँ हम दोनों के लिए मैं दो **नग** समोसे खरीदूँ?" शेखर को सारी बातें समझ आ गयी यह देखकर माँ ने कहा, "ठीक है, खरीदो।" घर जाते-जाते माँ ने शेखर को बताया कि पुराने जमाने में **बालिश्त, अंगुल** जैसे **परिमाण** का उपयोग किया जाता था। जिसे हाथ के पंजे से **नापते** थे।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) 1 किलो का अर्थ क्या है?
   अ) 12 वस्तुएँ
   ब) 1000 ग्राम
   क) 500 ग्राम

2) 1 नग मतलब क्या?
   अ) 4 वस्तुएँ
   ब) 1 वस्तु
   क) 50 वस्तुएँ

3) पत्तीवाली सब्जियाँ कैसी मिलती हैं?
   अ) गड्डी में
   ब) किलो में
   क) लीटर में

4) 1 लीटर का अर्थ क्या है?
   अ) 500 ग्रॅम
   ब) 500 मिली लीटर
   क) 1000 मिली लीटर

5) 1 दर्ज़न का मतलब क्या है?
   अ) 3 वस्तुएँ
   ब) 8 वस्तुएँ
   क) 12 वस्तुएँ

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्य सही करके लिखिए।

1) दूध मीटर में नापते हैं।

____

2) द्रव लीटर में तोलते हैं।

____

3) केले मीटर में तोलते हैं।

____

4) कपड़ा लीटर में नापते हैं।

____

5) पत्तों की सब्जी गड्डी में गिकती है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) परिमाण कौन कौन से होते हैं?

____

2) फूलों का गजरा कैसे नापते हैं?

____

3) कपड़े को कौन से परिमाण में नापते हैं?

____

4) दर्जन में कौन-कौन से फल मिलते हैं?

____

5) पुराने जमाने में लंबाई कैसे नापते थे?

____

IV) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

कैसे नापोगे?

i) जैसे: 1) दूध -लीटर
2) तुम्हारी ऊँचाई -
3) गेहूँ -
4) केले -
5) रस्सी -
6) पानी -
7) मिठाई -
8) समोसे -
9) कपड़ा -
10) पालक की संब्जी -

ii) 1) फुट से अपनी कक्षा का मेज नापो ।
2) तुम्हारे घर से तुम्हारी पाठशाला तक का अंतर कितना है ?
3) आपके घर से खेल का मैदान कितनी दूर है?

पाठ 3 - संचार और संपर्क

संदेश, घुड़सवार, हरकारें, ताड़ के पत्ते, वैद्यकीय, तकनीक, चलचित्र, खोज

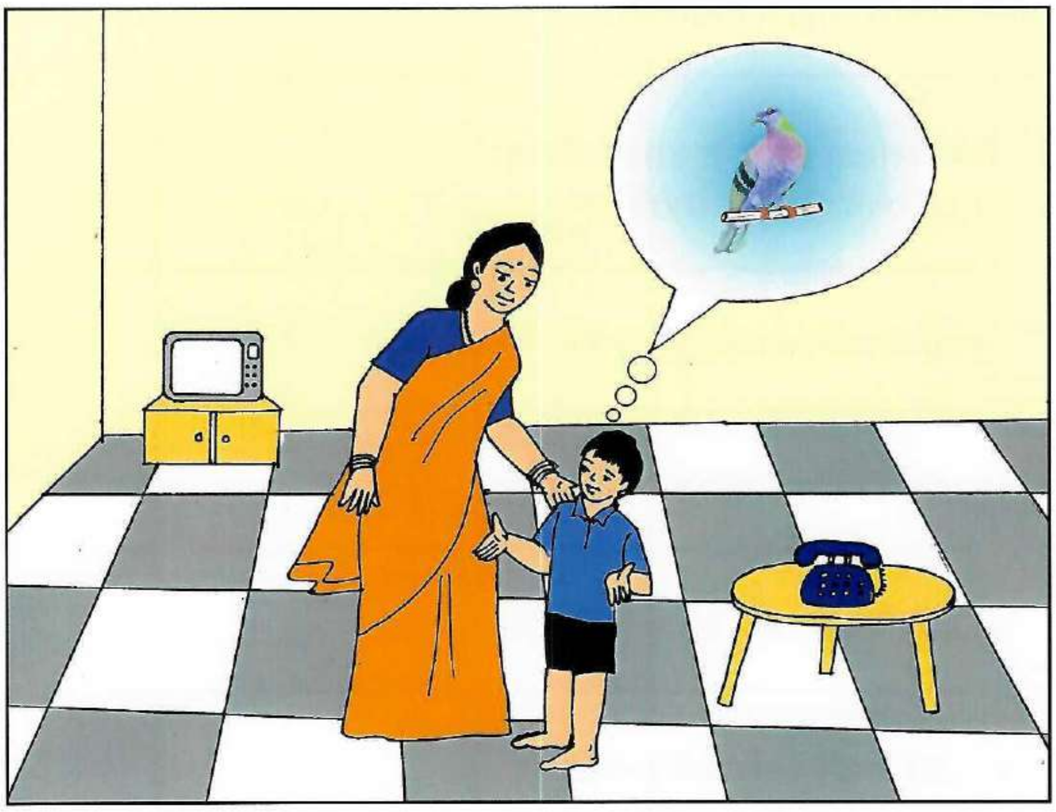

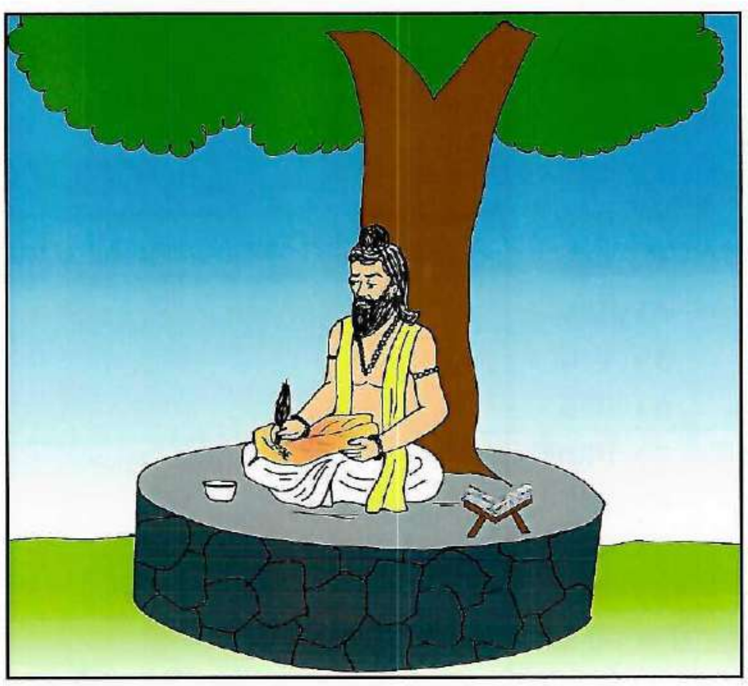

रविवार का दिन था। राहुल अपने परिवार के साथ टी.वी.पर फिल्म देख रहा था। फिल्म में उसने देखा कि एक कबूतर चिट्ठी लेकर उड़ते-उड़ते जाता है और वह चिट्ठी एक आदमी को देता है।

यह देखकर राहुल बोला, "कबूतर और **चिट्ठी**? क्या डाकिया नहीं है?"

माँ ने कहा, "बेटा! पुराने जमाने में जब डाकिया नहीं थे, तब कबूतरों को **संदेश** ले जाने का प्रशिक्षण दिया जाता था। **संदेश** भेजने का यह तरीका **कबालियों** और **जवानों** का था। राजा महाराजा तो अपने-अपने **हरकारे** और **घुड़सवार** रखते थे, जो **संदेश** लेकर जाते थे।

राहुल ने पूछा, "**हरकारे** मतलब?"

माँ ने कहा, "पुराने जमाने में **हरकारे** पैदल चलकर एक गाँव से दूसरे गाँव चिट्ठी या पत्र लेकर जाते थे।" राहुल बोला, "माँ मैंने टी.वी.में देखा है राजा, महाराजा तो कपड़े पर **संदेश** लिखकर उस कपड़े को गोल-गोल करके भेजते थे। ऐसा क्यों?"

माँ ने कहा, "उस जमाने में कागज की खोज नहीं हुई थी। इसलिए **संदेश,** कपड़े पर या **ताड़ के पत्तों** पर लिखते थे। और संदेश पहुंचने में बहुत समय लगता था।"

राहुल ने कहा, "तो पुराने जमाने में **संपर्क** करना बहुत कठिन था, है ना माँ?" मगर आज कल तो

चिट्ठी, शीघ्र डाक, टेलिफोन, संगणक (कम्प्यूटर) से हम एक दूसरे से कितने कम समय में संपर्क करते हैं। माँ ने कहा, "हाँ! सही कहा तुमने। अपनी बातें, विचार, **खबर, संदेश** और जानकारी हम तुरंत एक दूसरे को दे सकते हैं।"

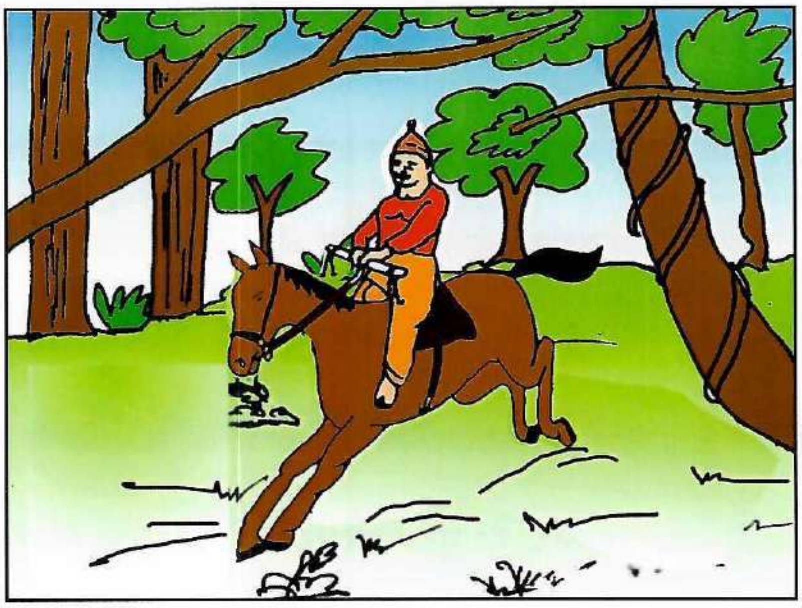

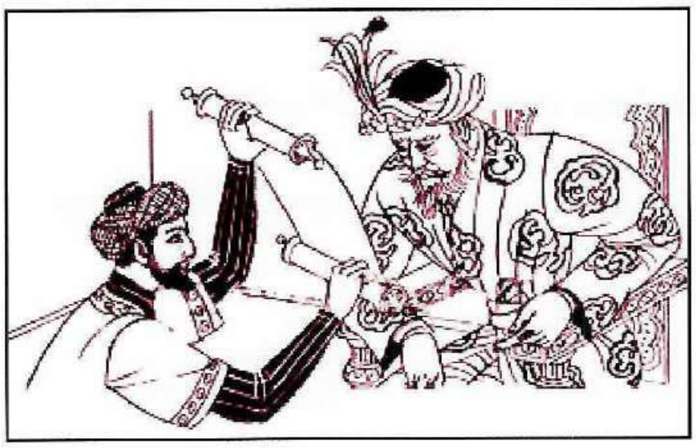

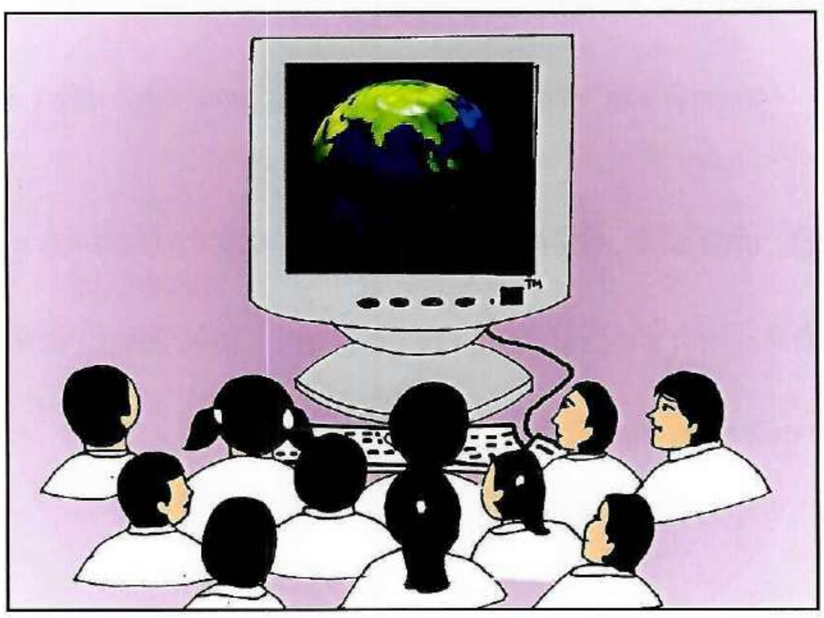

माँ ने कहा, " हाँ बेटा, जैसे-जैसे नई **खोजे** हुई, नए-नए **संपर्कसाधन** लोगों को प्राप्त हुए। अब तो हम संगणक **(कम्प्यूटर)** की मदद से दुनिया में रहनेवाले किसी भी व्यक्ति से तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

राहुल ने कहा, "हाँ, हमें भी स्कूल में भूगोल, विज्ञान का पाठ संगणक (कम्प्यूटर) की सहायता से पढ़ाते हैं। उसमें बहुत सारे **चलचित्र** होने से हमें वह पाठ जल्दी समझ में आता है।"

माँ ने कहा, "हाँ बिल्कुल ठीक कहा, **तकनीकी** विकास से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी आसान हो रही है।"

राहुल ने कहा, "हाँ, माँ हमारे जीवन में ये सब **साधन** कितने जरुरी हो गये हैं। अब मैं **टेलीफोन** से **पिज़्ज़ा** का ऑर्डर दूँ?" माँ के हाँ कहने पर राहुल ने टेलीफोन किया।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) पुराने जमाने में किसके द्वारा संदेश भेजते थे?

अ) डाकिया
ब) कबूतर
क) टेलिफोन

2) पुराने जमाने में कागज के बजाय किस पर संदेश लिखते थे?

अ) चिट्ठी पर
ब) ताड़ के पत्तों पर
क) संगणक पर (कम्प्यूटर पर)

3) किन साधनों से अपना जीवन विकसित हुआ है?

अ) संपर्क साधनों से
ब) टेलिफोन से
क) संगणक से (कम्प्यूटर से)

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्यों को छाँटकर सही करके लिखिए।

1) संपर्क साधनों में भी शामिल है।

____

2) जो पैदल चलकर एक गाँव से दूसरे गाँव पत्र लेकर जाते थे, उन्हें हरकारे कहते थे।

____

3) कबूतरों को घुड़सवारी का प्रशिक्षण देते थे।

____

4) स्कूल में संपर्क साधनों की सहायता से पाठ पढ़ाते हैं।

____

5) तकनीकी क्षेत्र में दवाई की खोज करते हैं।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) कबूतर द्वारा संदेश भेजने का तरीका किनका था?

____

2) राजाओं के संदेश कौन लेकर जाते थे?

____

3) हरकारे किसे कहते हैं?

____

4) स्कूल में किस की सहायता से पाठ पढ़ाते हैं?

____

5) आज हमारा जीवन और समाज क्यों विकसित हुआ है?

____

IV) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) आप गाँव में रहनेवाली अपने रिश्तेदारों से कैसे संपर्क करते हो?

____

2) आपको संपर्क साधन का कौनसा तरीका पसंद है?

____

V) संपर्क साधनों के विकास का सही क्रम लगाइए।

कम्प्यूटर, कबूतर, टेलीफोन, हरकारे, डाकिया, मोबाइल

____

पाठ 4 - खदान

ऊर्जा, साधन,पैमाना, खनिज, खदान, खान मजदूर, सुरंग, कारखाना, भू-विशेषज्ञ, भुयार, टॉर्च, इंधन, ट्रॉली, प्राकृतिक संपत्ति, मात्रा

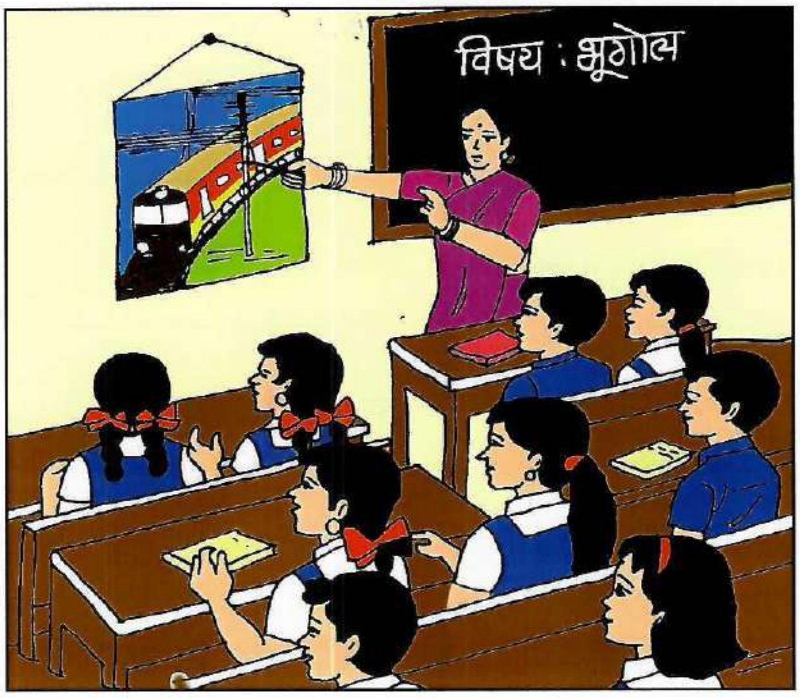

भूगोल की क्लास में टीचर ने बच्चों को रेल का चित्र दिखाया। बच्चों ने चित्र देखकर कहा," रेलगाड़ी।"

टीचर : "रेलगाड़ी तो है, लेकिन रेलगाड़ी कैसे चलती है?"

बच्चे : " बिजली पर !"

टीचर : " हाँ, आजकल तो बिजली पर चलती है। लेकिन पहले कोयले पर चलती थी। क्या तुमने कोयला देखा है?"

नीता : "हाँ मैंने देखा है । कोयला काला-काला होता है।"

रीना : "कल मैंने देखा भुट्टावाला कोयले की अंगीठी में भुट्टा भून रहा था।"

रमेश : "इस्त्रीवाले के इस्त्री में भी कोयला होता है।"

टीचर : "हाँ, कोयला एक **ऊर्जा** का **साधन** है। बड़े **पैमाने** पर **कारखानों** में इसका उपयोग होता है। तुम्हें पता है, कोयला कहाँ मिलता है?"

सीमा : "हाँ जमीन के अंदर, बहुत अंदर, नीचे।"

टीचर : "हाँ लेकिन कहीं भी किसी भी जमीन के नीचे कोयला नहीं मिलता। **भू-विशेषज्ञ** बताते हैं कि किस जमीन के नीचे कोयला मिल सकता है। फिर कोयला निकालने के लिए **खदान** बनाते हैं।"

बच्चे : **"खदान?"**

टीचर : "हाँ **खदान**! लोहा, पीतल जैसे **खनिज** जमीन के नीचे से निकालने के लिए **खदान** बनानी पड़ती है। जमीन में **सुरंग** लगाकर नीचे खोदना पड़ता है। इन **खदानों** में कैसे काम करते हैं यह देखने के लिए आज हम **खदान** देखने जाएंगे।"

यह सुनकर सारे बच्चे उछल पड़े। फिर सब टीचर के साथ **खदान** देखने चल पड़े। वहाँ बच्चों ने देखा कुछ लोग काम कर रहे थे।

टीचर : "देखो, यहाँ काम करने वाले मजदूरों को **खान मजदूर** कहते हैं।"

रीमा : "इन खान मजदूरों की टोपी पर **टॉर्च** क्यों है?"

टीचर : "**खदान** बनाने के लिए जमीन की गहरी खुदाई करनी पड़ती है, वहाँ घना अँधेरा होता है, इसलिए खोदते समय दिखाई देने के लिए उनके टोपी पर टॉर्च होती है।"

साहिल : "**टॉर्च** पहनने से अच्छा है हम वहाँ दिया लेके जाए।"

टीचर : "नहीं! नहीं! ऐसा करना हानिकारक है। क्योंकि कोयला एक **ईंधन** है। जरासी भी भूल हुई तो आग लग सकती है और हाथ में दिया लेकर काम भी नहीं कर सकते।"

बच्चों ने वहाँ **भुयारो** में रेल की पटरी और **ट्रॉली** देखी और पूछा,"टीचर क्या यहाँ ट्रेन आती है?"

टीचर : "ठीक से देखो, यह **ट्रॉली** पटरी पर से चलती है, और **ट्रॉली** में क्या है?"

रवि : "इसमें तो काले बड़े-बड़े पत्थर है।"

टीचर : "हाँ, कोयला पत्थर के रूप में मिलता है। फिर उसे **कारखानो** में भेजा जाता है। हमारे देश में महाराष्ट्र, तामिलनाडु, राजस्थान तथा बिहार में भी **कोयले की खदाने** हैं।"

मीना : टीचर!! जमीन में तो बहुत सारे **खनिज** है, क्या वो कभी खत्म ही नहीं होंगे।"

टीचर : "नहीं, नहीं यह एक **प्राकृतिक संपत्ति** है जो **सीमित मात्रा** में उपलब्ध है, इसलिए हमें उनका सँभलकर उपयोग करना चाहिए।"

यह सुनकर बच्चों ने अपने हाथों में लिये कोयले के टुकड़े फिर से उन **ट्रॉलियों** में रख दिये।

टीचर : चलो बच्चों स्कूल वापस जाने का समय हो गया। सब बच्चे स्कूल बस की ओर चल पड़े।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) ऊर्जा का साधन कौनसा है?

अ) अंगीठी ब) कोयला क) रेलगाड़ी

2) बिजली से पहले कोयले पर कौनसी गाड़ी चलती थी?

अ) बस ब) मोटर क) रेलगाड़ी

3) कोयला निकालने की जगह कौनसी है?

अ) खदान ब) इमारत क) समुद्र

4) खान मजदूरों की टोपी पर क्या था?

अ) आईना ब) दिया क) टॉर्च

5) हमारे देश में कोयले की खदाने कहाँ हैं?

अ) गुजरात ब) बिहार क) कश्मीर

6) कोयला किस जमीन के नीचे मिलेगा, यह कौन बताते है?

अ) भू-विशेषज्ञ ब) इंजीनियर क) खान मजदूर

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्यों को छाँटकर सही करके लिखिए।

1) खनिज खदान में पाये जाते हैं।

____

2) पुराने जमाने में रेलगाड़ी बिजली पर चलती थी।

____

3) खनिज खदान से निकालते हैं।

____

4) खान मजदूरों की टोपी पर दिया होता है।

____

5) कोयला एक पत्थर है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) हमारे देश में कोयले की खदानें कहाँ पर हैं?

____

2) प्राकृतिक संपत्ति का उपयोग सँभलकर क्यों करना चाहिए?

____

3) खान मजदूरों की टोपी पर टॉर्च क्यों होता है?

____

4) खनिज कौन-कौन से हैं?

____

5) खदान में दिया लेकर क्यों नहीं जा सकते?

____

IV) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) तुम्हारे शहर या राज्य में कौन से खनिज की खदान है?

2) दूसरे खनिज कौन से है यह पता करो।

पाठ 5 - पर्यावरण

पर्यावरण, राष्ट्रीय संपत्ति, प्रकृति, प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, कचरा, गंदगी

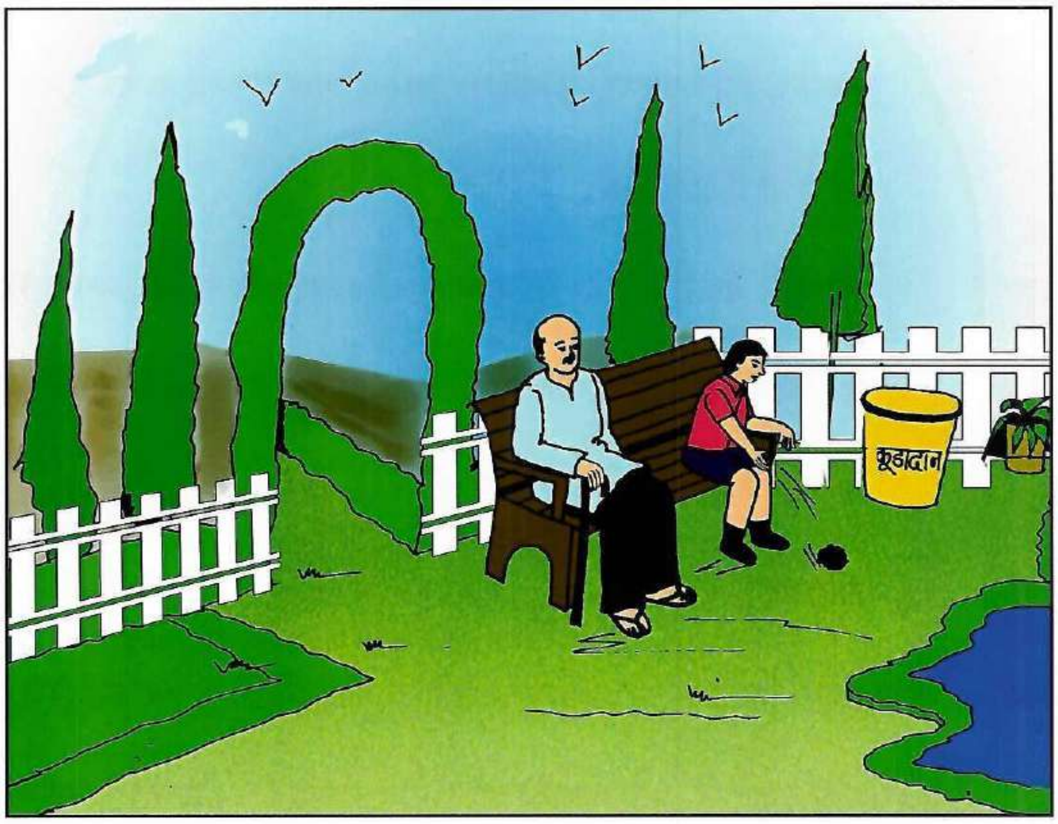

अमोल नानाजी के साथ बगीचे में खेल रहा था। नानाजी ने अमोल को पॉपकॉर्न खरीद के दिये। अमोल ने पॉपकॉर्न खाकर पैकट वहीं फेंक दी। यह देखकर नानाजी ने कहा –

नाना जी : अरे अमोल, यह क्या किया?

अमोल : नाना जी, खाली पैकेट यहाँ फेंक दिया।

नाना जी: क्या तुम घर में भी ऐसे ही गंदगी फैलाते हो?

अमोल : नहीं, नहीं! घर तो साफ रखना चाहिए ! माँ भी डाँटती है।

नाना जी : उसी तरह बगीचा भी तो साफ रखना चाहिए ! देखो हमारे आसपास का परिसर, नदी, तालाब, रास्ते, पहाड़, समुद्र ये सब मिल के **पर्यावरण** बनता है। हम सबको मिलकर, इसे साफ रखना चाहिए। अच्छा, मुझे बताओ, अगर तुम घर में **कचरा** रखोगे तो क्या होगा?

अमोल : छी! छी! बदबू आएगी। घर गन्दा दिखेगा। हाँ और मक्खी, मच्छर भी होंगे।

नानाजी : बिल्कुल ठीक कहा। इसी तरह अगर हम **पर्यावरण** को गंदा करेंगे, यहाँ वहाँ कचरा फेकेंगे, तो **पर्यावरण** भी दूषित होगा और **प्रदूषण** फैलेगा।

अमोल : **प्रदूषण ?**

नानाजी : हाँ **प्रदूषण**। किसी भी **प्राकृतिक साधनो** में कुछ **कृत्रिम बदलाव** लाने से पर्यावरण खराब हो सकता है, पर्यावरण को हानि पहुँच सकती है। इसे **पर्यावरण** का **प्रदूषण** कहते हैं। **पर्यावरण के प्रदूषण** से सब सजीवों को हानि पहुँचती है। तुम रिक्शे से घर आते हो तो रिक्शे के धुएँ से क्या होता है?

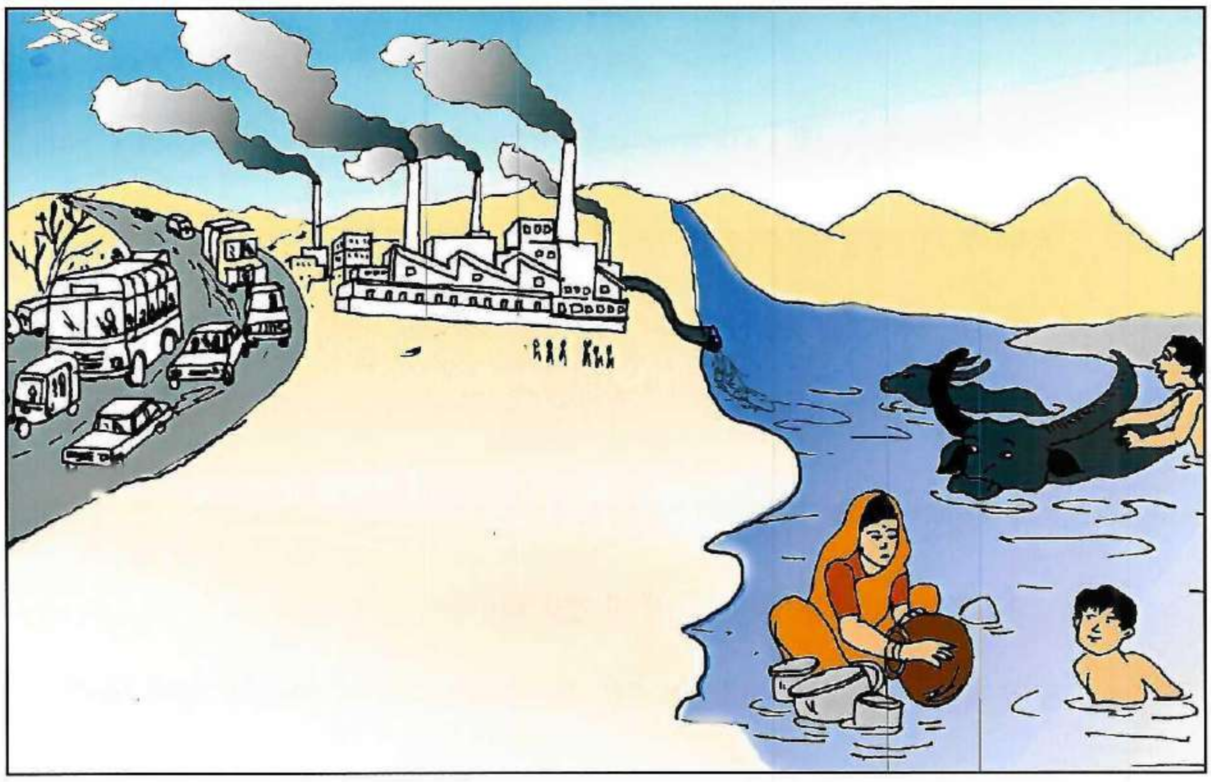

कूड़ादान

अमोल : ओह! मेरा तो दम घुटने लगता है और खाँसी आती है। मैं तो तुरंत नाक पर रुमाल रख लेता हूँ।

नाना जी : यही तो वायु प्रदूषण है । इसी तरह **पर्यावरण प्रदूषित होने** से बीमारियाँ फैलेगी। दिवाली के दिनों में तो **ध्वनि** और **वायु प्रदूषण** बहुत होता है। क्या तुम ऐसे **प्रदूषित** शहर में रहना पसंद करोगे?

अमोल : नहीं, नहीं !

नाना जी : हाँ, इसलिए हमें हमारा **पर्यावरण** साफ, स्वच्छ रखना चाहिए। अच्छा जब तुम छुट्टियों मे दादाजी के यहाँ गाँव जाते हो तो तुम्हे कैसा लगता है?

अमोल : बहुत अच्छा! गाँव में हरे-भरे खेत, पेड़, नदियाँ, गाय-बकरियाँ होती हैं। खुली-खुली जगह, ठंड़ी-ठंड़ी हवा होती है। तरोताजा महसूस होता है। नही तो अपने शहरो में वह ऊँची इमारतें और सड़कों पर गाड़ियाँ, पों पों की आवाज और धुए से तकलीफ होती है।

नाना जी : इसका मतलब गाँव का **पर्यावरण** शांत, स्वच्छ है इसलिए तुम्हे पसंद है । शहरों में गाड़ियों-कारखानों से आते धुएँ से हवा बहुत ज्यादा **प्रदूषित हो जाती** है और लोग बीमार पड़ जाते हैं।

अमोल : जैसे ध्वनि और हवा **प्रदूषित होती है** उसी तरह क्या पानी भी **प्रदूषित होता है**?

नाना जी: हाँ, हाँ ! नदी के पानी में नहाने से, कपड़े धोने से और पीने का पानी ढँक कर नहीं रखने से पानी भी **प्रदूषित हो जाता है।**

अमोल : नाना जी, इस सबके लिए जिम्मेदार कौन है?

नाना जी : हम सब बेटा! इसके लिए हमें हमारी घर की तरह **रेल, बस, बगीचे, रास्ते** साफ-सुथरे

रखने चाहिए। ये सब हमारी **राष्ट्रीय संपत्ति** हैं।

अमोल ने अपनी गलती मान ली और उसने पैकेट उठाकर कूड़ादान में डाला।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) पर्यावरण का अर्थ क्या है?

अ) आसपास का परिसर
ब) घर
क) बगीचा

2) पर्यावरण प्रदूषित होने का प्रमुख कारण क्या है?

अ) जनसंख्या
ब) बीमारियाँ
क) प्रदूषण

3) हमारी राष्ट्रीय संपत्ति कौन-कौनसी है?

अ) घर, खिड़की, अलमारी, सोफा
ब) हवा, पानी
क) रेल, बस, रास्ते, नदियाँ, बगीचे

4) पर्यावरण प्रदूषण से किसको हानी पहुँचती है?

अ) आदमियों को
ब) सजीवों को
क) निर्जीवों को

5) गाँव का पर्यावरण कैसा होता है ।

अ) शांत और स्वच्छ
ब) हरे-भरे खेत
क) प्रदूषित

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्यों को सही करके लिखिए।

1) सबको मिलकर पर्यावरण गंदा रखना चाहिए।

____

2) पर्यावरण में फैले हुए धुएँ से पानी प्रदूषित होगा।

____

3) प्रदूषण से सेहत पर अच्छा परिणाम होता है।

____

4) प्रदूषण से पर्यावरण को लाभ होगा।

____

5) पटाखों की आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) ध्वनि प्रदूषण कैसे होता है?

____

2) प्रदूषण के तीन प्रकार लिखिए।

____

3) शहर और गाँव के पर्यावरण में क्या अंतर होता है?

____

4) प्रदूषण रोकने के लिए आप क्या करोगे ?

____

5) जल प्रदूषण रोकने के लिए आप क्या करोगे?

____

6) आप अपना पर्यावरण कैसे साफ रखोगे ?

____

7) अन्न प्रदूषण से बचने के लिए क्या करोगे?

____

पाठ 6 - प्रकृति - 1

प्रकृति, सजीव, निर्जीव, श्वसन, ऊर्जा, जन्म-जीवन-मृत्यु, जीवनचक्र, जीवन पद्धति, दुर्घटना, अवयव

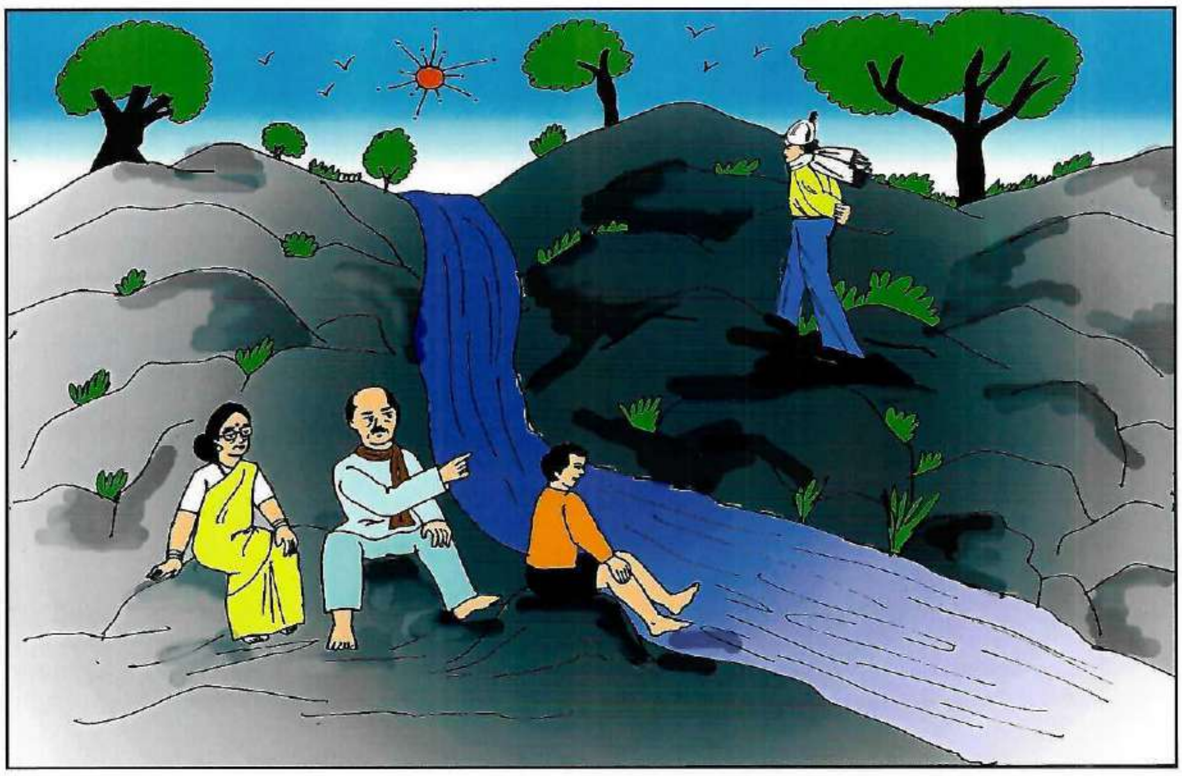

राहुल अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गया था। वहाँ का सुहावना मौसम राहुल को पसंद आया। पहाड़ियाँ, उँचे पर्वत, झरने, झील सब राहुल देखता ही रह गया।

दादी ने राहुल से पूछा, "क्यों राहुल क्या देख रहे हो?"

राहुल : "दादी यहाँ कितना अच्छा लगता है ! यहाँ के पर्वत, झरने, पेड़-पौधे कितने सुंदर हैं!"
दादी : "हाँ,यह सब **प्रकृति** की देन है।"

राहुल : **प्रकृति** ?

दादी : ये पेड़, जंगल, पहाड़, पर्वत, सागर, हवा, सूर्यप्रकाश, नदी ये सब **प्रकृति** की देन हैं।

राहुल : दादी क्या हम भी **प्रकृति** की देन हैं?"

दादी : हाँ, हम **सजीव** है। **प्रकृति** के नियमों के अनुसार हमारा **जीवन** चलता है। **सजीव** जैसे मछलियाँ, जीव-जंतु, मनुष्य, जानवर,पेड़ और पंछी। पत्थर, पहाड़, नदी, झरने, ये सब **निर्जीव** हैं। सब **सजीव जन्म** लेते हैं,**श्वसन** करते हैं, उनका शरीर **विकसित होता है,** मतलब बढ़ता है। **सजीवों** को काम करने के लिए अन्न, पानी और वायु की जरुरत होती है। इन से **सजीवों** को **ऊर्जा** (शक्ति) मिलती है। **सजीव** अपनी जगह बदलते हैं।

राहुल : दादी पेड़ पौधे भी **सजीव है** लेकिन वे अपनी जगह कहाँ बदलते हैं? वे **श्वसन** कैसे करते हैं?

दादी : पेड़, पौधे अपनी जगह नहीं बदलते लेकिन उन्हें बढ़ने के लिए अच्छी मिट्टी, पानी और सूर्यप्रकाश की जरुरत होती है। वे पत्तों से **श्वसन** करते हैं।

राहुल : अच्छा दादी लेकिन फिर **सजीव** मरते क्यों हैं?

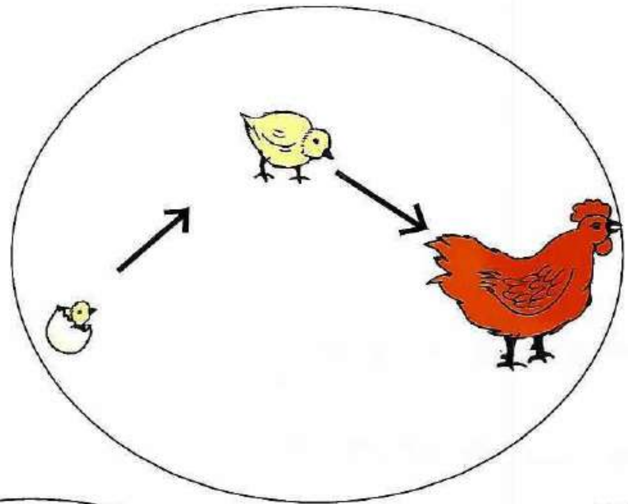

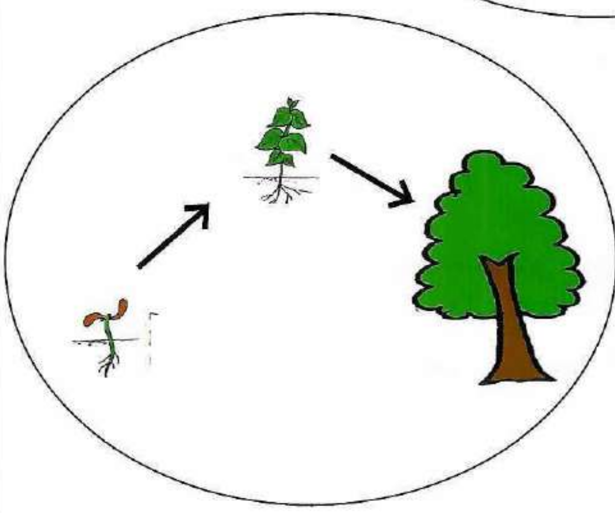

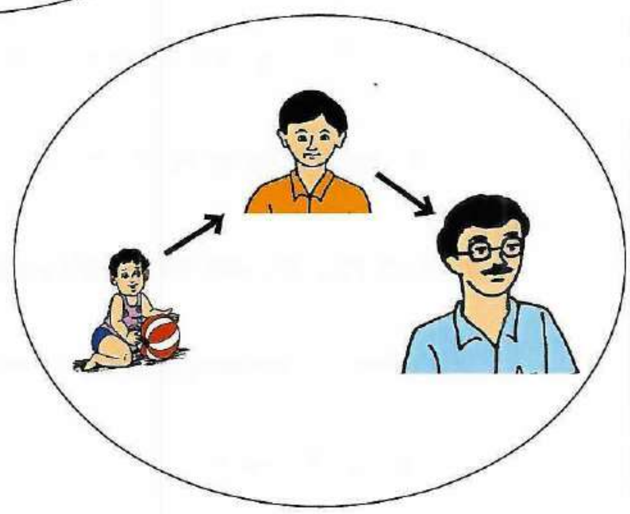

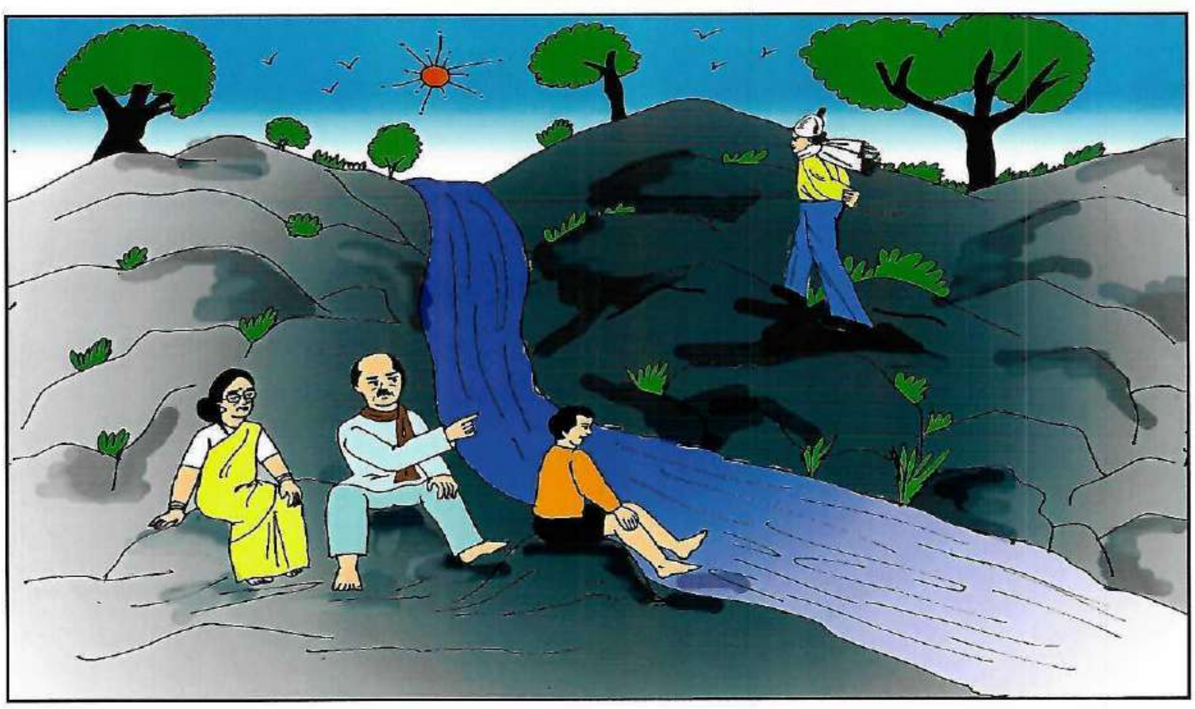

दादी : **जन्म लेना, बढ़ना फिर मरना** यह **जीवन चक्र** है। यह तो चलना ही चाहिए। बहुत उम्र होने पर सजीवों की मृत्यु हो सकती है। या उन्हें अन्न, पानी, हवा न मिलने पर सजीव मर सकते हैं। किसी **दुर्घटना** में भी **सजीवों** की जान जा सकती है।

राहुल : हाँ, **दुर्घटना** मतलब कार से टकराना, हथियार से जख्मी होना, है ना?

दादी : हाँ, बिल्कुल ठीक ! अगर पौधे को पानी नहीं मिला तो पौधा भी मर जाएगा।

राहुल : दादी यहाँ के लोगों ने इतने मोटे कपड़े, टोपी क्यों पहनी हैं?

दादी : हमारे आसपास के जगह का **पर्यावरण** जैसा होता है, वैसे ही हमारी **जीवन पद्धति,** हमारा पहनावा होता है। यह जगह ठंडी है इसलिए, यहाँ इस तरह का पहनावा है। जैसे **प्रकृति** ने ठंडे प्रदेश में रहने वाले जानवरों के शरीर पर बड़े-बड़े बाल दिए है ताकि, उनको ठंड ना लग सके। जैसे:भालू

राहुल : अच्छा! जैसे मौसम का चक्र चलता है, उसी तरह **जीवन चक्र** भी चलता है।

दादी : हाँ । पहले **जन्म,** फिर बड़ा होना, जवान होना, फिर बुढ़ा होना और फिर **मृत्यु,** यह **प्रकृति** हमें **जीवन** भी देती है और जीने के लिए योग्य **पर्यावरण** भी। इसलिए तो हमें इस **प्रकृति** का आभार मानना चाहिए।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) प्राकृतिक देन कौन सी है?

अ) सूर्य
ब) ऊर्जा
क) रास्ते

2) सजीवों को काम करने के लिए किस की जरूरत होती है?

अ) ऊर्जा
ब) हवा
क) प्रकृति

3) सजीवों का जीवन चक्र कैसे होता है?

अ) मृत्यु-जीवन-जन्म
ब) जन्म-जीवन-मृत्यु
क) जीवन-मृत्यु-जन्म

4) पेड़ श्वसन कैसे करते हैं?

अ) जड़ों से
ब) पत्तों से
क) फूलों से

5) जीवन पध्दती किस पर आधारित होती है?

अ) जीवन चक्र
ब) प्रकृती
क) पर्यावरण

II) नीचे लिखे वाक्यों में से गलत वाक्यों को सही करके लिखिए।

1) सजीव अपनी जगह नहीं बदल सकते।

2) पेड़-पौधे बढ़ने के लिए सिर्फ पानी की जरुरत होती है।

3) दुर्घटना से सजीवों की मृत्यु हो सकती है।

4) जंगल, पहाड़ ये सब हमारी देन हैं ।

5) जंगल, पहाड़, पर्वत, नदी ये सब प्रकृति की देन हैं।

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) सजीवों का जीवन चक्र कैसे चलता है?

2) हमें प्रकृति का आभार क्यों मानना चाहिए?

3) सजीवों का जीवन किस पर निर्भर होता है?

4) ठंडे प्रदेश में किस तरह के जानवर होते हैं?

5) सजीवों की मृत्यु कैसी होती है ?

IV) अभ्यास:

1) आँखो देखी हुई किसी दुर्घटना के बारे में लिखो।

____

____

____

____

2) मनुष्य का जीवन विकास कैसे होता है?

____

____

____

____

V) नीचे दिया गया चित्र देखिए। सजीव पर (X) कीजिए और निर्जीव वस्तुओं पर ◯ ऐसा निशान लगाइए।

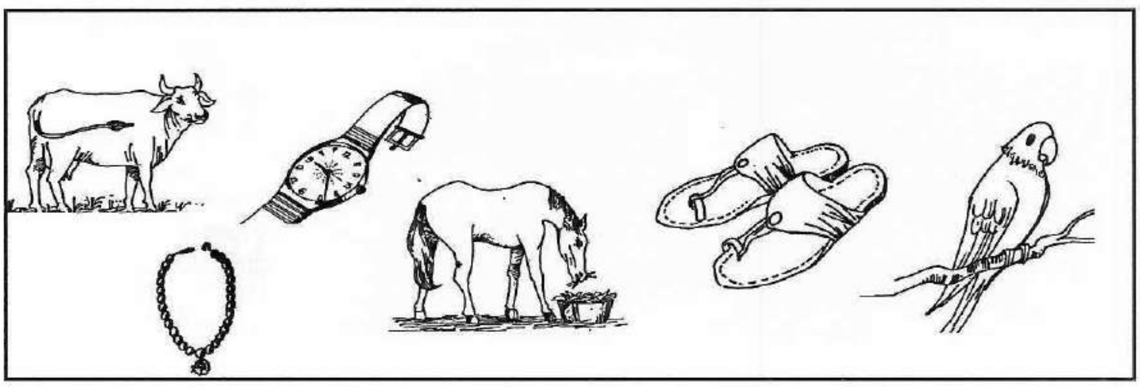

पाठ 7 - प्रकृति - 2

बरबादी, स्रोत, औद्योगिक क्षेत्र, समुद्री जीव, प्राकृतिक गैस, जंगल, प्राकृतिक संपत्ति,सागरी संपत्ति, जनसंख्या, सूखा, अकाल,

राहुल और नीता पौधों को पानी डाल रहे थे। और पानी में खेल भी रहे थे, पानी यहाँ-वहाँ डाल रहे थे।

यह देखकर मौसी ने कहा, "बच्चों, तुम इतना पानी क्यों **जाया कर** रहे हो?"

बच्चे : "मौसी हम तो पानी में खेल रहे हैं। हमारे यहाँ तो बहुत पानी है, और पानी में खेलना हमें अच्छा लगता है।"

मौसी ने समझाया, "तुम गलत सोच रहे हो। जैसे खनिज **प्राकृतिक संपत्ति** है, उसी तरह पानी भी **प्राकृतिक संपत्ति** है, इसे यूँ ही **बर्बाद** नहीं करना चाहिए। अच्छा तुम बताओ, पानी हमारे किस-किस काम में आता है?"

नीता : "पीने के लिए, खाना बनाना, कपड़े-बर्तन धोना।"

राहुल : "खुद को साफ रखने के लिए, पेड़ पौंधों के लिए, गाड़ियों, जानवरों के लिए।"

मौसी : हाँ, सबसे ज्यादा जरुरत तो खेती के लिए और **औद्योगिक क्षेत्र** में होती है। तुम्हें पता है पानी के स्रोत कौन-कौन से हैं?

नीता : नदी, झरना, कुआँ, तालाब, समुद्र

राहुल : "लेकिन समुद्र का पानी हम इस्तेमाल नहीं करते।"

मौसी बोली : हाँ, लेकिन समुद्र के पानी का भी महत्त्व है, क्योंकि समुद्र से हमें मछलियाँ, समुद्री जीव, खनिज, तेल, नमक, **प्राकृतिक गैस** जैसी **सागरी संपत्ति** मिलती हैं। लेकिन यह **सागरी संपत्ति** मर्यादित है, इसलिए हमें इनका सँभालकर उपयोग करना चाहिए।

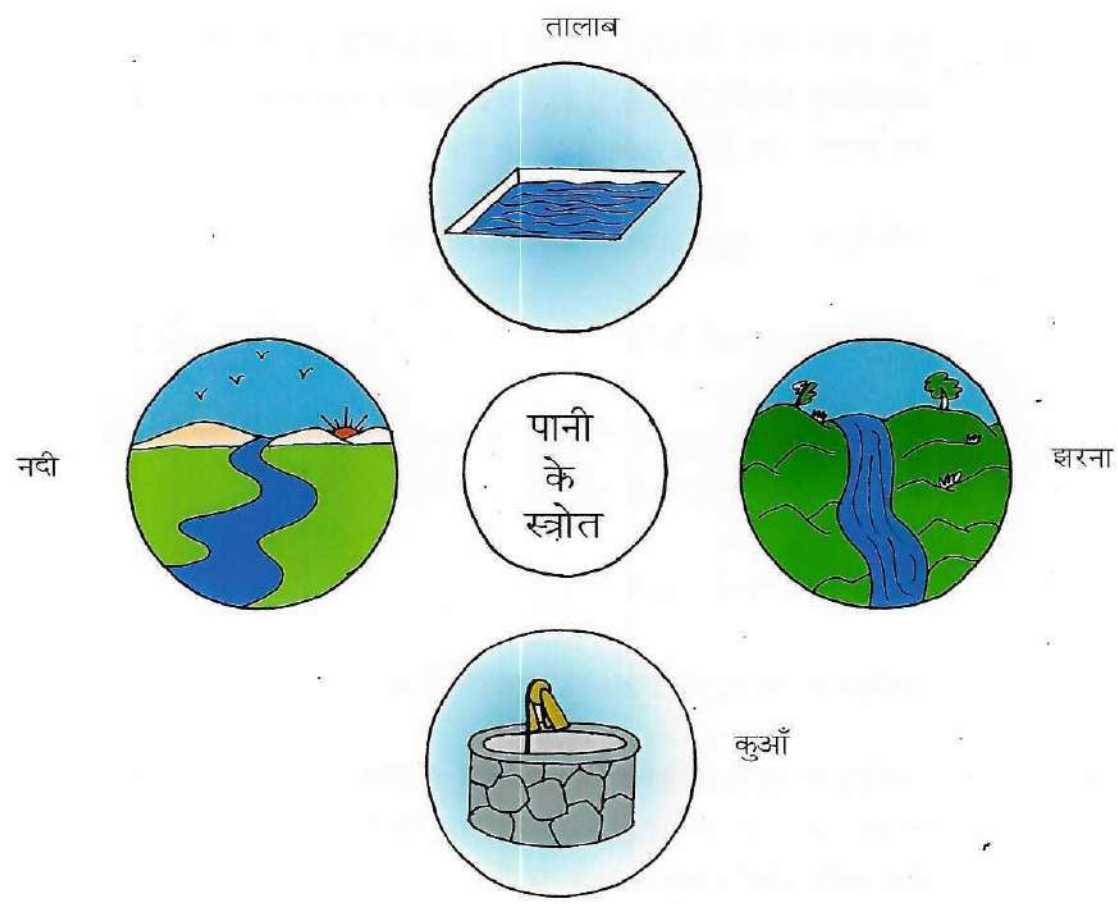
तालाब
नदी
पानी
के
स्त्रोत
झरना
कुआँ

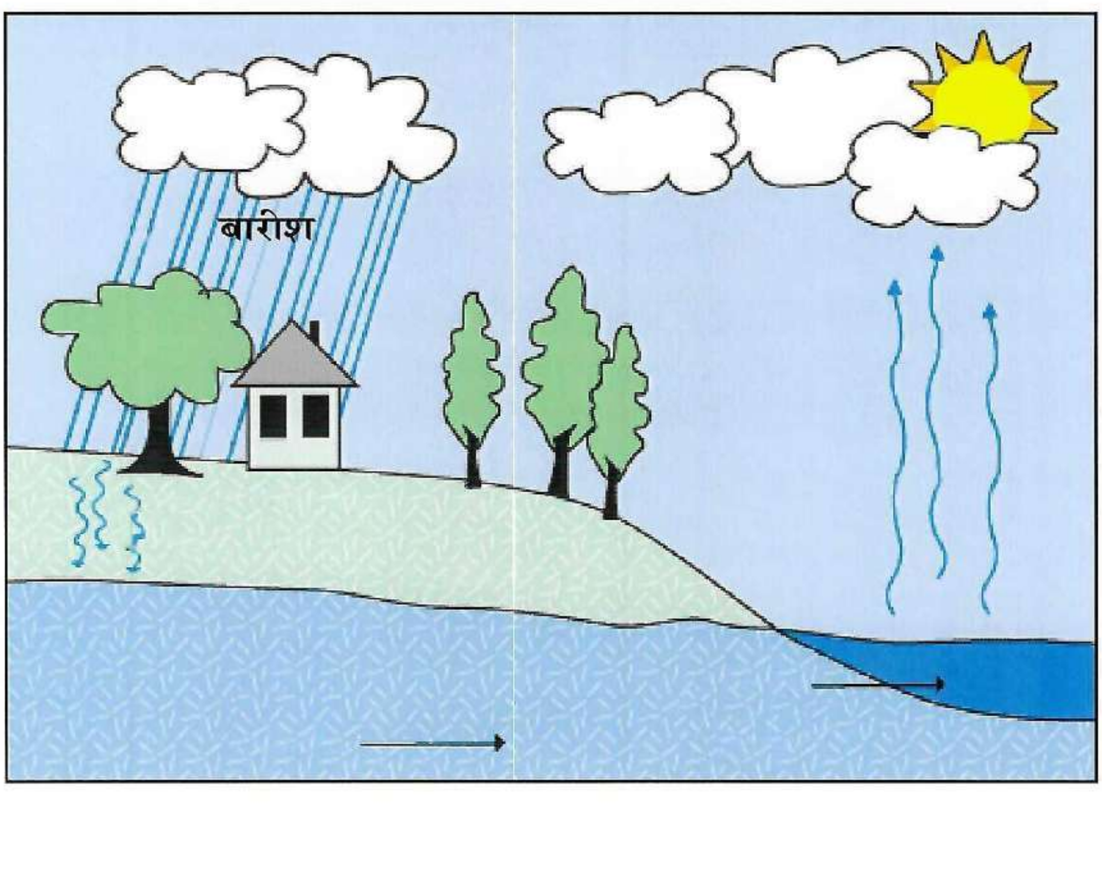
बारिश

नीता : मौसी, हर साल बारिश होती है और फिर नदियों में पानी भर जाता है, तो हम पानी का उपयोग बड़े पैमाने पर क्यों नहीं कर सकते?

मौसी : "देखो, हमारे देश की जनसंख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, इसलिए रहने के लिए हम जंगलों को काटकर घर बाँधने के लिए जगह बना रहे हैं। अगर **जंगल** न हो तो बारिश नहीं होगी, इसका परिणाम क्या होगा? नदियाँ, तालाब सूख जाएंगे। पानी न मिलने से जानवर, इंसान मर जाएंगे, खेती नहीं होगी तो अनाज भी नहीं मिलेगा। **सूखा-अकाल** पड़ जाएगा। और तो और आजकल कारखानों से निकला गंदा पानी लोग नदी, समुद्र में बहाते हैं, जिससे पानी दूषित होता है। इसे **जल प्रदूषण** कहते हैं। ऐसा गंदा पानी पीने से क्या होगा?

राहुल : अरे बाप रे! गंदे पानी से तो कई तरह की पेट की बीमारियाँ हो जायेंगी।
"बिल्कुल ठीक कहा! दूषित पानी में रहने वाले जीव मर जाएगें, बीमारियाँ फैलेंगी और ऐसे पानी से खेती करने से **उपजाऊ मिट्टी** खराब होगी, उसमें से होने वाले फल, अनाज अच्छे नहीं होंगे। इसलिए पानी का उपयोग सँभालकर करना चाहिए और उसके साथ पानी को **प्रदूषित** होने से भी रोकना चाहिए।

नीता : "हाँ मौसी, नहीं तो हमारे लिए वह हानिकारक होगा !"

राहुल ने देखा माँ ने कपड़े धोए और कपड़ों का निचोड़ा हुआ पानी माँ फेंकने ही वाली थी। तभी राहुल ने माँ को रोकते हुए कहा, "माँ यह पानी मैं हमारे बाग के पेड़ों को डालता हूँ।"

राहुल और नीता की समझदारी को देखकर मौसी मुस्करायी।

गतिविधियाँ:

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) प्राकृतिक संपत्ति कौनसी है?

अ) पानी
ब) कपड़े
क) अन्न

2) सागरी संपत्ति कौनसी है?

अ) जानवर, पेड़
ब) मछलियाँ, नमक
क) नदी, झरना

3) बारिश न होने पर खेती नहीं होना, अनाज नहीं मिलना, इसे क्या कहते हैं?

अ) बाढ़
ब) प्रदूषण
क) सूखा/अकाल

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्यों को सही करके लिखिए।

1) प्राकृतिक संपत्ति अमर्यादित है।

____

2) अपने देश की जनसंख्या घटती जा रही है।

____

3) दूषित पानी समुद्र में मिलने से वायु प्रदूषण होता है।

____

4) दूषित पानी का खेती के लिए उपयोग करेंगे तो मिट्टी उपजाऊ बन जायेगी।

____

5) गंदा पानी पीने से पेट की बीमारियाँ हो जाती हैं।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) पानी के स्रोत कौनसे है?

2) जंगल क्यों काटे जाते हैं?

3) समुद्र के पानी का महत्व क्या है?

4) बारिश न होने पर क्या हो सकता है?

5) दूषित पानी से क्या-क्या नुकसान होते हैं?

IV) अभ्यास :

1) तुम्हारे घर में पानी का उपयोग किस-किस के लिए होता है?

2) तुम्हारे गाँव या शहर के नजदीक में पानी के कौन से स्रोत है? उनका नाम लिखिए।

पाठ 8 - आकाश मंडल

अंतरिक्ष यान, अंतरिक्ष यात्री, आकाश मंडल, टेलिस्कोप, कक्षा, ग्रह, उपग्रह, गुरूत्वाकर्षण

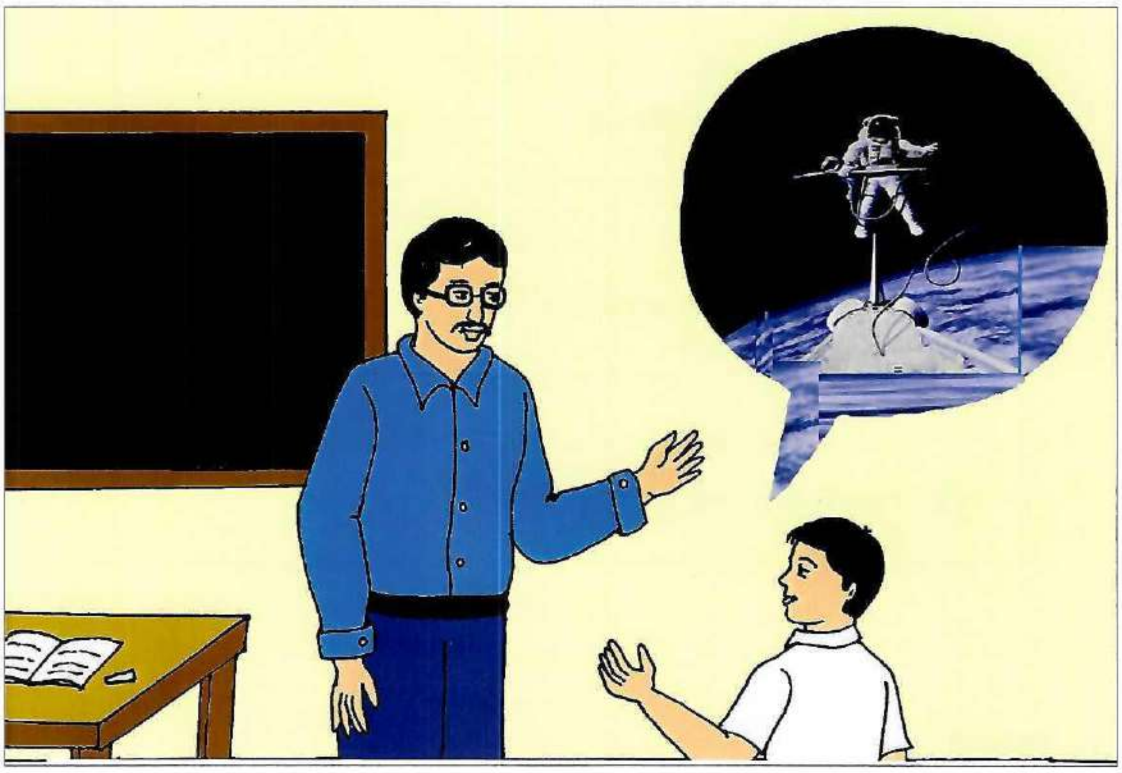

मास्टर जी ने बच्चों से पूछा, "बच्चों, तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?" कई बच्चों ने कहा, 'डाक्टर', 'इंजीनियर', 'पायलट', 'टीचर'

राहुल : "मैं **अंतरिक्ष यात्री** बनना चाहता हूँ।"

सब चुप हो गये। नीता ने कहा, "बाप रे **अंतरिक्ष यात्री!** मुझे तो डर लगता है।"

मास्टर जी : वाह! वाह! तुम तो कुछ अलग काम करना चाहते हो।

राहुल : मुझे तो बचपन से तारों का बहुत आकर्षण है। जैसे हमारे देश से राकेश शर्मा **अंतरिक्ष** में गये थे, वैसे ही मैं भी चाँद पर जाऊँगा, **आकाश मंडल** में घूमूँगा।

मास्टर जी : लेकिन क्या तुम्हें पता है, **आकाश मंडल** में हमारी **पृथ्वी** की तरह अनेक छोटे-बड़े **ग्रह** घूमते रहते हैं। **आकाश मंडल** इतना बड़ा है कि जिसकी कोई परिसीमा नहीं होगी।

रीमा : वाह! इन सबको देखना कितना **मजेदार** होगा!

मास्टर जी : तो चलो , आज हम सब मुंबई के नेहरु तारांगण चलते हैं, तुम सब **आकाश मंडल** की सैर का मजा भी लूट सकोगे और **आकाश मंडल** के बारे में सीख भी सकोगे।

बच्चे बहुत खुश हो गये। मास्टर जी के साथ सब नेहरू तारांगण पहुँचे। वहाँ सभी बच्चों ने तारांगण में आकाश मंडल देखा। मास्टर जी ने बताया कि ग्रह और तारे देखने के लिए दूरबीन (टेलिस्कोप) का उपयोग करते हैं।

मास्टर जी ने बताया, "सूर्य एक बहुत बड़ा तारा है।"

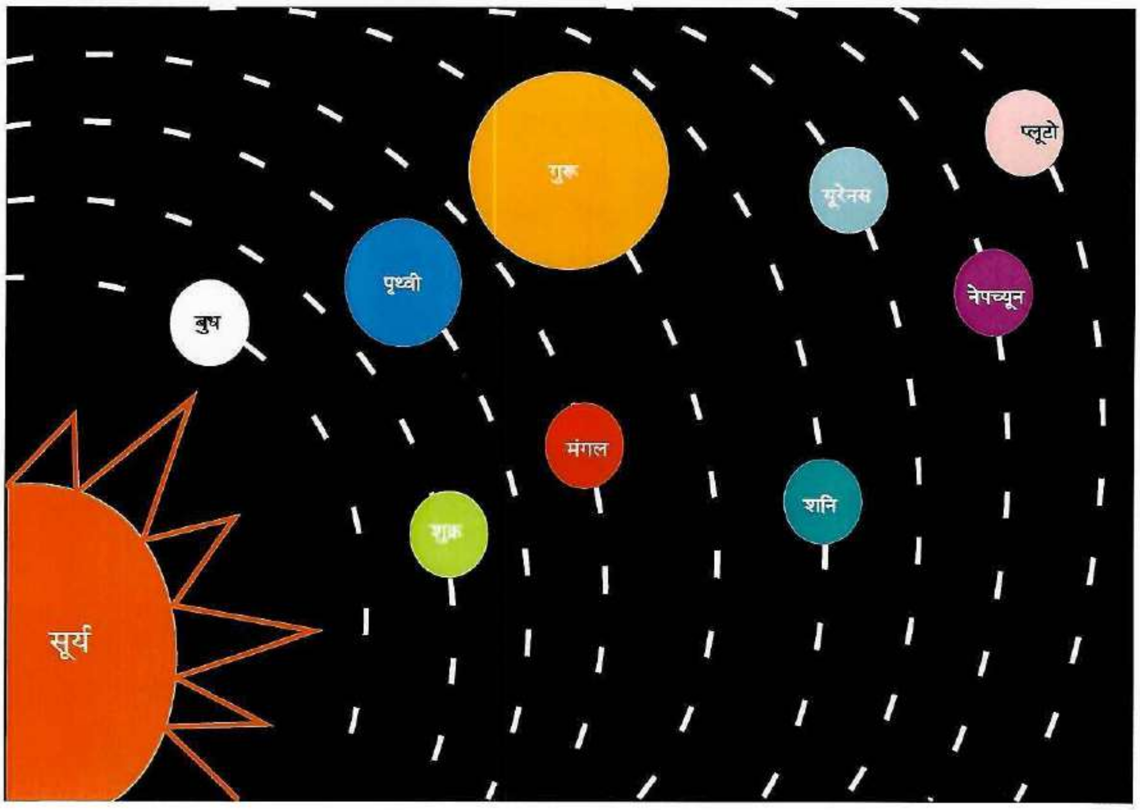
प्लूटो
गुरू
यूरेनस
पृथ्वी
नेपच्यून
बुध
मंगल
शनि
शुक्र
सूर्य

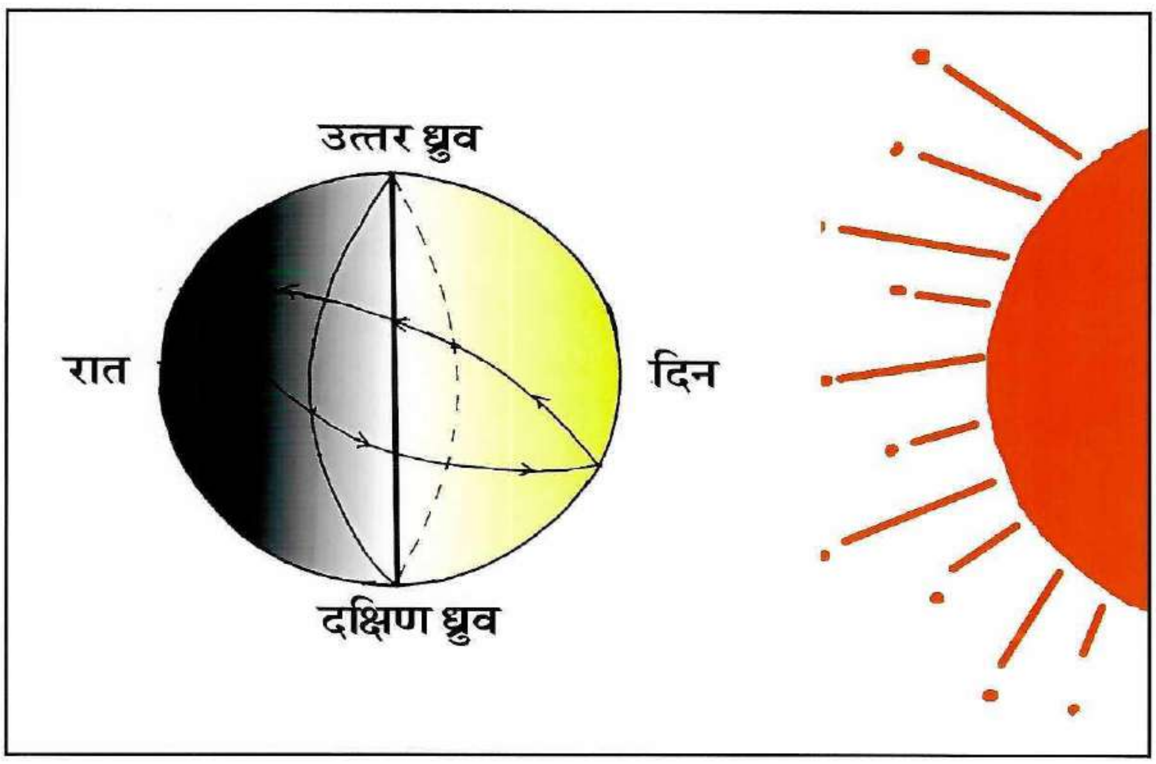
उत्तर ध्रुव
रात
दिन
दक्षिण ध्रुव

राजेश : हाँ, जिससे हमें प्रकाश और उष्णता मिलती है।

मास्टर जी : और इस सूर्य के चारों ओर छोटे-बड़े **ग्रह** अपनी **कक्षा** में घूमते रहते हैं।

नीता : मुझे तो **कक्षा** नहीं दिखती?

मास्टर जी : **कक्षा** मतलब क्लास नहीं, एक गोलाकार रेखा होती है।

राहुल : मास्टर जी, पृथ्वी, शनि, नेपच्यून, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, यूरेनस, प्लूटो ये तो **ग्रह** हैं, ना!

मास्टर जी : हाँ, लेकिन उसी के साथ छोटे-छोटे **उपग्रह** होते हैं जैसे चंद्र एक **उपग्रह** है जो पृथ्वी के चारों ओर घूमता है।

रीमा : क्या हमारी पृथ्वी की तरह दूसरे **ग्रहों** पर भी मनुष्य और प्राणी रहते हैं?

मास्टर जी :नहीं, पृथ्वी पर प्राणवायू (ऑक्सीजन), सूर्यप्रकाश और पानी है, इसलिए जीवन है। लेकिन दूसरे **ग्रहों** पर जीवन नहीं है । देखो यहाँ चित्र में देखो, चंद्र पर पहुँचे **अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनॉट) अंतरिक्ष** में कैसे उड़ रहे हैं?

मास्टर जी ने अपनी पेन ऊपर फेंका और पूछा, "अब यहाँ देखों, पेन नीचे क्यों गिरा?"

दीपक : क्योंकि जो वस्तु हम ऊपर फेंकते हैं वो हमेशा नीचे गिरती है।

मास्टर जी :हाँ पृथ्वी में **गुरूत्वाकर्षण** है, जो वस्तुओं को अपनी तरफ खींचता है। लेकिन चंद्र पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति बहुत कम है।

राहुल : हाँ मैंने टी.वी पर देखा है चंद्रमा पर मनुष्य उड़ते हैं। चंद्र की जमीन पर मनुष्य खड़े नहीं रह पाते हैं।

मास्टर जी :इसलिए तो पृथ्वी **ग्रह** सबसे अलग है। यहाँ जीवन है। सूर्य के चारों ओर पृथ्वी घूमने से पृथ्वी पर दिन और रात होते हैं। क्या तुम जानते हो पृथ्वी पर 71% पानी और 29% जमीन है? सारे बच्चे मास्टर जी की बातें ध्यान से सुन रहे थे और **आकाश मंडल** के **ग्रहों** को ताक रहे थे । तभी मीना बोली "यह दुनिया तो बहुत अलग है मास्टर जी मैं भी बड़ी होकर **अंतरिक्ष यान** में जाऊँगी और पूरे **अंतरिक्ष** की सैर करूँगी।"

यह सुनकर मास्टर जी और सारे बच्चे जोर से हँसने लगे।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) आकाश में यात्रा करने वालों को क्या कहते हैं?

अ) अंतरिक्ष यात्री
ब) अंतरिक्ष यान
क) आकाश मंडल

2) अपने देश से अंतरिक्ष में जाने वाले पहले यात्री कौन थे?

अ) आर्मस्ट्राँग
ब) राकेश शर्मा
क) कल्पना चावला

3) पृथ्वी का उपग्रह कौनसा है?

अ) चंद्र
ब) सूर्य
क) गुरू

4) आकाश मंडल में कितने ग्रह होते हैं?

अ) ग्यारह
ब) नौ
क) दस

5) कौन से ग्रह पर मनुष्य और प्राणी रहते हैं?

अ) मंगल
ब) बुध
क) पृथ्वी

II) नीचे लिखे वाक्यों में से गलत वाक्यों को सही करके लिखिए।

1) पृथ्वी की तरह दूसरे ग्रहों पर भी मनुष्य, प्राणी रहते हैं।

____

2) बुध ग्रह में गुरूत्वाकर्षण शक्ति है।

____

3) सूर्य के घूमने से पृथ्वी पर दिन-रात होते हैं।

____

4) पृथ्वी पर 71% पानी और 29% जमीन है।

____

5) चाँद पर ऑक्सीजन और पानी है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) आकाश मंडल में कितने ग्रह हैं? उनके नाम लिखो।

____

2) पृथ्वी के चारों ओर घूमनेवाला उपग्रह कौन सा है?

____

3) सूर्य से हमें क्या मिलता है?

____

4) पृथ्वी पर जीवन क्यों है ?

____

5) चंद्र की जमीन पर मनुष्य क्यों उड़ते हैं?

____

IV) अभ्यास :

1) चाँद पर जानेवाले सबसे पहले अंतरिक्ष यात्री का नाम क्या है? ______________

2) आप आकाश मंडल के बारे में और क्या जानकारी दे सकते हैं? ______________

____

पाठ 9 - न्याय व्यवस्था

गुनाह, गुनहगार, चोरी, हत्या, कानून, न्यायाधीश, वकील, गवाह, अदालत, जुर्म, सजा, जेल, पुलिस, पंचायत, न्यायालय, सुधार गृह, न्याय व्यवस्था, कायदे, मुकदमा

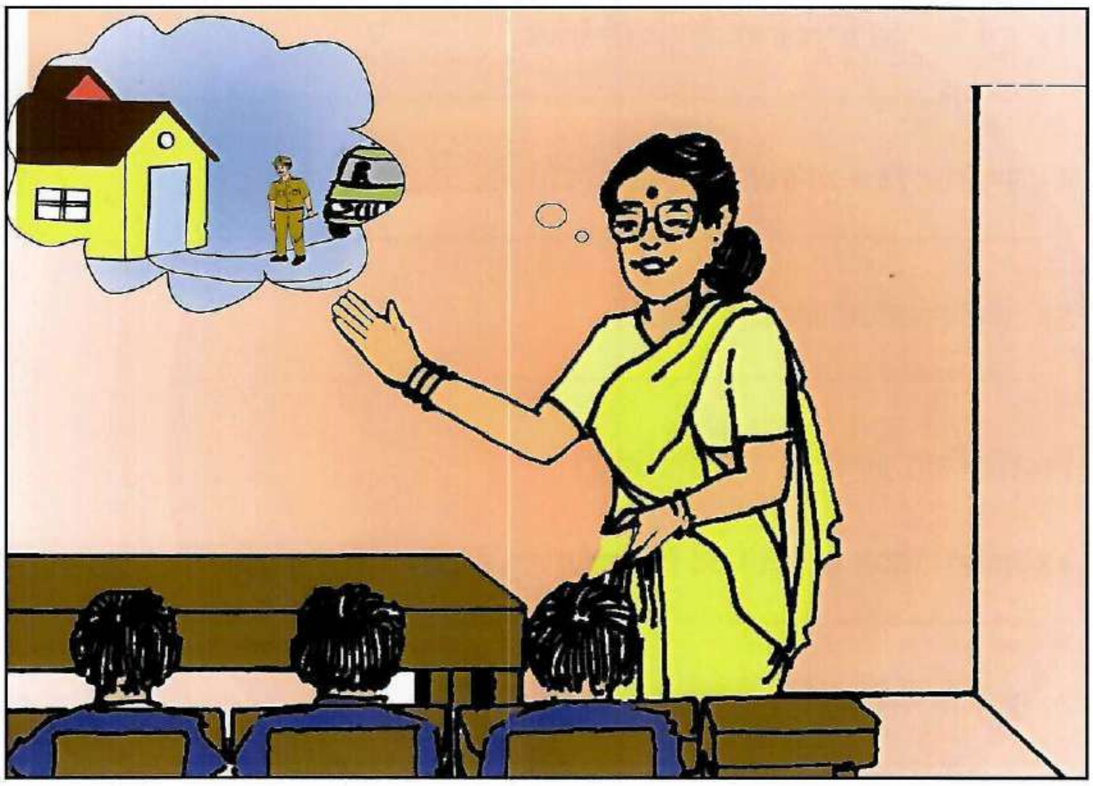

रवि को नीता का नया पेन बहुत अच्छा लगा। उसने पेन चुपके से अपनी जेब में रख लिया। टीचर ने उसे पेन जेब में रखते हुए देख लिया।

टीचर ने बच्चों से कहा, "बच्चों आज मैं तुम्हें एक किस्सा सुनाती हूँ। कल रात मेरे पड़ोस में रहने वाले शर्मा जी के घर **चोरी** हो गई। सारे गहने, नकद, पैसे **चोरी** हो गए। आज सुबह उनके घर **पुलिस** आयइ्र थी।"

सीमा : क्या **पुलिस** ने चोर को पकड़ लिया?

टीचर : नही, पहले **पुलिस** जाँच करेगी, बाद में चोर को पकड़ेगी। फिर **अदालत** में **वकीलों** की बहस सुनकर, **गवाहों** के बयान सुनकर **न्यायाधीश** उसे **जुर्म** की **सजा** देंगे।

राकेश : **न्यायाधीश, गवाह** ये सब क्या हैं?

टीचर : **फौजदारी** यानि जब कोई मारपीट, चोरी ऐसे **गुनाह** करता है तो **पुलिस** उसे पकड़कर हमारा **संरक्षण** करती है। फिर इन **गुनहगारों** पर **अदालत** में **न्यायाधीश** के सामने **मुकदमा** चलता है। जुर्म साबित होने के लिए गवाहों की जरुरत होती है। गवाह वो होता है जो जुर्म के बारे में कुछ जानकारी दे सकता है और न्यायाधीश गवाहों की बयान सुनकर सही फैसला सुनाते हैं यानी न्याय देते हैं।

टीचर : बच्चों हम सब एक समाज में रहते हैं, इस समाज की सुरक्षा के लिए **नियम,** और **कायदे** बनाए गए हैं। इन नियमों का पालन करने के लिए **कानून** बनाए गए हैं। एक **न्याय व्यवस्था** भी बनाई गई है। हमारे देश में न्यायालय कई स्तरों पर बनाए गये हैं।

शेखर : ये **स्तर** किस तरह के होते हैं?

टीचर : **स्तर** जैसे कि गांव, जिला राज्य, शहर और देश के स्तर पर **पंचायत, न्यायालय (कोर्ट), उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय** बनाए गए हैं। पंचायत जो गाँव की जनता के समस्याओं को सुलझाकर न्याय करती है। जिला या शहर में न्यायालय होते हैं। जब कोई न्यायालय के न्याय से असंतुष्ट हो तो वह उच्च न्यायालय और फिर सर्वोच्च न्यायालय में न्याय माँगने की अर्जी दे सकता है।

मुंबई पोलिस

सुधार केंद्र

टङ्गना : हाँ, सिनेमा में मैंने देखा है **अदालत** में **वकील, जज,मुजरिम, गवाह, पुलिस** और **लोग** होते हैं।

टीचर : हाँ, वहाँ **जुर्म** की जाँच पड़ताल के बाद, **सबूतों** और **गवाह** सुनने के बाद ही **सजा** सुनाने और **न्याय देने** का काम **न्यायाधीश (जज)** करते हैं।

मीना : क्या सभी **गुनहगारों** को **जेल** में डाल दिया जाता है?

टीचर : नहीं। जिसने जैसा **जुर्म** किया है उसके मुताबिक **सजा** मिलती है। किसी की **हत्या** करने पर **फाँसी** या **उम्रकैद की सजा** भी सुनायी जाती है।

रोहित : टीचर जी, क्या बच्चों को भी इसी तरह सजा सुनायी जाती है?

टीचर : नहीं। कभी-कभी गरीबी की हालत में , मजबूरी और गलत प्रभाव या सहवास से छोटे-छोटे बच्चे भी **जुर्म** करते हैं। उन्हें **सुधार गृह** भेजते हैं, जहाँ उन्हें पढ़ाते हैं, सिलाई, बुनाई, बढ़ई के काम सिखाते हैं।और उन्हें सुधारने के लिए एक अवसर देते हैं।

मीना : लेकिन, उन्हें अपने परिवार से अलग **सुधार गृह** में क्यों रखते हैं?

टीचर : क्योंकि **जुर्म** करेंगे तो **सजा** मिलेगी ही। इसलिए परिवार से अलग सुधार गृह में रखते हैं। **चोरी** करना , झूठ बोलना ऐसी बुरी आदतें नहीं होनी चाहिए , क्योंकि उसका नतीजा भी बुरा होता है। बचपन में अगर कोई चीज हमें अच्छी लगे और हमने ले ली तो यह भी तो छोटी **चोरी** हुई ना? ऐसे करते करते **चोरी** की आदत पड़ती है।

टीचर की बातें सुनकर रवि को शर्म आ गयी, उसने उठ कर नीता को सॉरी कहा और उसका पेन लौटा दिया।

टीचर ने कहा, " शाबाश रवि ! अगर कोई चीज अच्छी लगे तो माँ-पिताजी से माँगनी चाहिए और माँ-पिताजी अगर दे नहीं पाते हैं तो बड़े होने पर तुम मेहनत करके ऐसी चीज खरीद सकते हो। हमारे मन में जो लालच आता है , हमें उस पर काबू पाना चाहिए।"

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) कानून का अर्थ क्या है?

अ) गुनाह
ब) नियमों का पालन
क) पुलिस, वकील, जज

2) गुनहगारों पर अदालत में क्या चलता है?

अ) मुकदमा
ब) पंचायत
क) गवाह

3) न्याय देने का काम कौन करते हैं?

अ) पुलिस
ब) न्यायाधीश
क) सुधार गृह

4) सुधार गृह में किसको रखते हैं?

अ) जवानों को
ब) बूढ़ों को
क) बच्चों को

5) नियमों का पालन करने के लिए क्या बनाया गया है?

अ) कानून
ब) मुकदमा
क) सुधार केंद्र

II) नीचे दिए वाक्यों में से गलत वाक्यों को सही करके लिखिए।

1) गुनहगार बच्चों को सुधारने के लिए सुधार केंद्र में रखते हैं।

____

2) घर में नियमों का पालन करने के लिए कानून बनाए जाते हैं।

____

3) न्यायधीशों पर अदालत में मुकदमा चलता है।

____

4) चोरों को पकड़ने का काम वकील करते हैं।

____

5) किसी की हत्या करने पर उसे साधारण सजा होती है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) पुलिस क्या क्या काम करती है?

____

2) हमें बुरी आदतों को क्यों अपनाना नहीं चाहिए ?

____

3) हमारे देश में किस तरह के स्तर पर न्यायालय बने हैं?

____

4) कानून किसलिए बनाए जाते हैं?

____

5) गुनहगार को सजा कैसे दी जाती है?

____

IV) अभ्यास :

1) तुम्हारे गाँव-शहर में कौनसा न्यायालय है? _______________

2) तुम्हारे इलाके के पुलिस थाने का नाम लिखो। _______________

पाठ 10 - छोटे-बड़े उद्योग

बड़े उद्योग, लघु उद्योग , कुटीर उद्योग , प्राथमिक उद्योग, द्वितीयक उद्योग , कच्चा माल, पक्का माल, मजदूरी, तनख्वाह, बैंक, ऋण, किश्त, परिचय

स्कूल शुरु होने के बाद पहले दिन कक्षा में मास्टर जी बच्चों से अपना नाम, पता, पिताजी का काम पूछ रहे किसी ने अपने पिताजी के बारे में बताया , शिक्षक हैं, बँक में नौकरी करते है रेल में काम करते हैं, ड्राइवर हैं। शेखर ने कहा, " मेरे पिताजी बिजनेस मैन हैं।

रोमिल : " बिजनेस मॅन?"

शेखर : "मेरे पिताजी का कपड़े बनाने का कारखाना है।"

मास्टर जी : " बिझनेस मतलब अपना खुद का **व्यापार-उद्योग।** बँक और दफ्तर में काम करना नौकरी कहलाता है। उद्योग दो प्रकार के होते हैं, जैसे **प्राथमिक** उद्योग, **द्वितीयक** उद्योग! प्राकृतिक साधन संप्त्ति का उपयोग जिसमें होता है उन उद्योंगो को **प्राथमिक** उद्योग कहते हैं। जैसे लकड़ी काटना, मछली पकड़ना, खदान काम, पशुपालनखेती ।

राहुल : मास्टर जी! गाँव में मेरे दादाजी तो बहुत बड़े पैमाने पर खेती करते हैं तो उसे भी बड़ा **प्राथमिक उद्योग** कहेंगे क्या?

मास्टर जी : हाँ। उसे **प्राथमिक उद्योग** के साथ **बड़ा उद्योग** भी कहेंगे। छोटे पैमाने पर किया जानेवाला उद्योग **लघु उद्योग** होता है।

मास्टर जी : **द्वितियक उद्योग** में **प्राथमिक उद्योग** से प्राप्त हुए कच्चे माल का उपयोग करते

रीमा : **कच्चा माल ?**

मास्टरजी : **कच्चा माल** जैसे कपास! कपड़े कपास से बनते हैं। कपास कहाँ से आता है?

शेखर : कपास,.. खेती से।

मास्टरजी : मतलब कपास **कच्चा माल** और तैयार कपड़े **पक्का माल**।

रीमा : हाँ जैसे गेहूँ **कच्चा माल** और आटा या रोटी **पक्का माल**।

कुटीर उद्योग

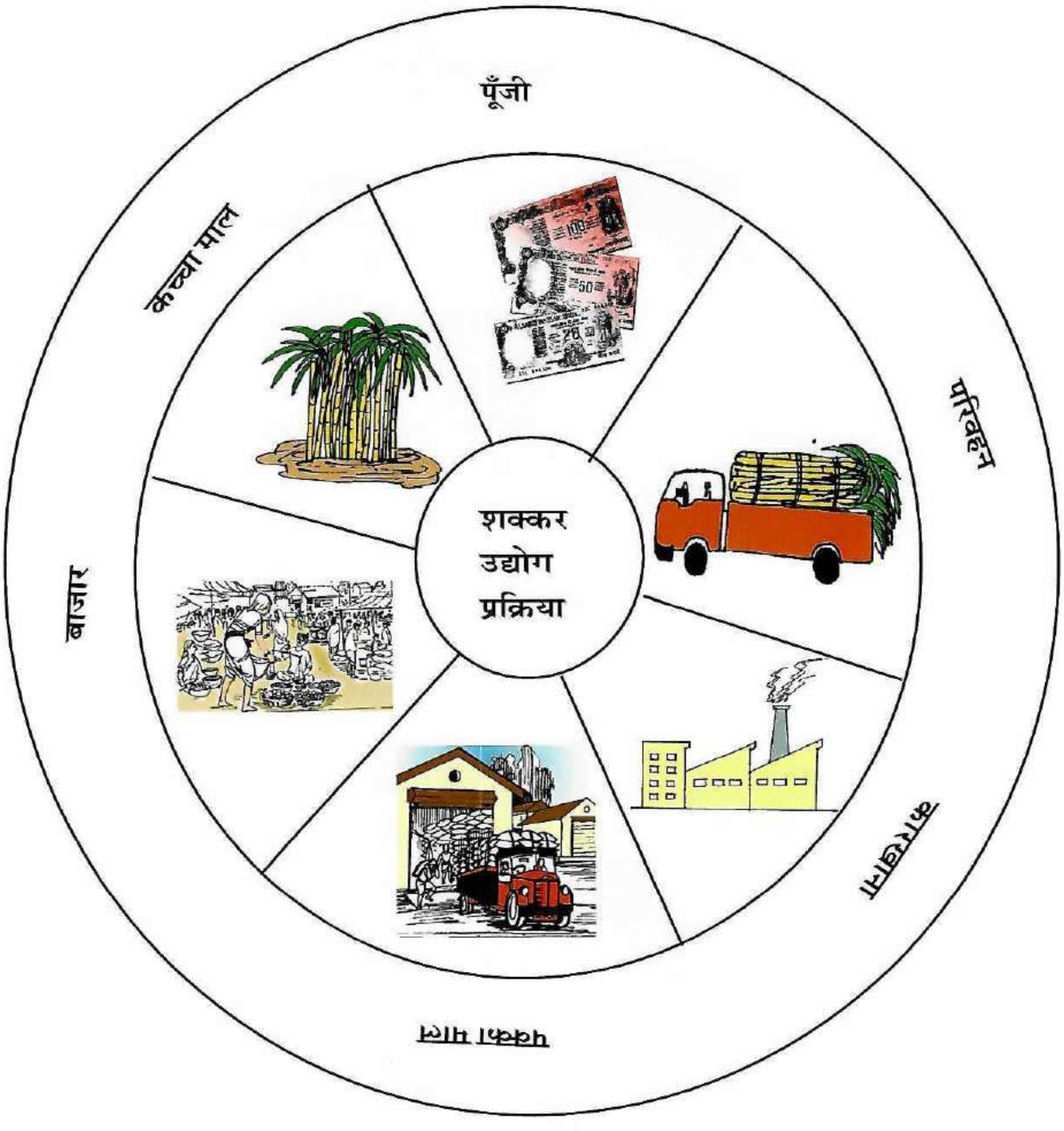
पूँजी
परिवहन
कारखाना
पक्का माल
बाजार
कच्चा माल
शक्कर
उद्योग
प्रक्रिया

मास्टर जी हँस कर बोले, "हाँ उसी तरह कारखानों में **कच्चे माल** पर काम करते हैं, मतलब उनपर प्रकिया की जाती है। **द्वितीयक व्यवसाय** के लिए बहुत सारी **पूँजी** (पैसे) का होना जरुरी है।

महेश : लेकिन ज्यादा पैसे क्यों?

मास्टर जी : **कच्चा माल** खरीदकर कारखाने में ले जाना, उस पर **प्रक्रिया** कर के **पक्के माल का निर्माण करना,** इस में अलगअलग यंत्र, परिवहन के साधन , संचार सुविधा और बाजार इन सबकी जरुरत होती है। फिर **मजदूरी** और **तनख्वाह** भी देनी पड़ती है ।

रवि : "**तनख्वाह** और **मजदूरी** में क्या अंतर है?"

मास्टर जी : कारखानों-खदानों में काम करने वाले मजदूरों को दिन के हिसाब से पैसा मिलता है जिसे मजदूरी कहते हैं। उद्योगों से बहुत लोगों को रोजगार मिलता है। लोग स्वावलंबी बनते हैं। बैंको-ऑफिसों में काम करने वालों को महीने भर की **तनख्वाह** मिलती है।

सीमा : मास्टर जी, गाँव में मेरी दादी **महिला उद्योग** में काम करने जाती है वह क्या है?

मास्टर जी : अलग अलग पापड़, अचार, मुरब्बे बनाना मतलब जो काम महिला करती हैं उसे **महिला उद्योग** कहते हैं। उसी तरह **कुटीर उद्योग** भी **द्वितीयक उद्योग** में आते हैं। रस्सी बनाना, टोकरी बुनना, चटाई बुनना ऐसे छोटे-छोटे उद्योग मतलब **कुटीर उद्योग।**

सीमा : मतलब अगर हमें **उद्योग** करना हो तो हमारे पास बहुत पैसे होने चाहिए। है ना? तो कभी भी उद्योग नहीं कर पाएंगे।

मास्टर जी : नहीं ऐसा नहीं होता। लोग अपना **उद्योग** शुरू करें इसलिए सरकारी बैंक **ऋण** देती है जिसे धीरे-धीरे आसान **किश्तों** में वापस किया जा सकता है।

यह सुनकर रवि, सुनील, शेखर एक साथ उछलकर बोले, "वाह! यह तो बढ़िया है। हम भी बड़े होकर व्यापारी बनेंगे।"
मीना भी बोली, "हाँ मैं भी बड़ी होकर बिजनेस बुमैन बनूँगी।

गतिविधियाँ :

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए।

1) बिजनेस का क्या अर्थ है?
   अ) अपना व्यापार या उद्योग
   ब) नौकरी
   क) रोजगारी

2) प्राथमिक उद्योग क्या होता है?
   अ) व्दितीयक व्यवसाय
   ब) पूँजी
   क) प्राकृतिक साधन संपत्ति

3) द्वितीयक व्यवसाय कौन सा है?
   अ) कुटीर उद्योग
   ब) खेती
   क) गाय, भैंस पालना

4) कच्चा माल कौन सा है?
   अ) आटा
   ब) गेहूँ

II) नीचे लिखे वाक्यों में से गलत वाक्यों को छाँटकर सही करके लिखिए।

1) प्राथमिक व्यवसाय में व्दितीयक व्यवसाय से प्राप्त कच्चे माल का उपयोग करते हैं।

____

2) बड़े पैमाने पर किया जानेवाला उद्योग लघु उद्योग होता है।

____

3) कपड़े कपास से बनते हैं।

____

4) पूँजी मतलब रोजगार।

____

5) नौकरी करने के लिए महिला बँक द्वारा लोगों को ऋण देती है।

____

III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) प्राथमिक उद्योग किसे कहते हैं?

____

2) तनख्वाह क्या होती है?

____

2) कच्चा माल कारखाने में लाने के बाद उस पर क्या प्रकिया होती है?

____

3) द्वितीयक व्यवसाय के लिए किसकी जरुरत होती है?

____

4) कुटीर उद्योग कौन-कौनसे होते हैं?

____

IV) अभ्यास :

1) आपके परिवार में कौन-कौन से लोग नौकरी या उद्योग करते हैं? _______________

2) अगर उद्योग करते हैं तो कौनसा उद्योग करते हैं? _______________________

3) निम्नलिखित पक्का माल बनाने के लिए कौन-कौन से कच्चे माल की आवश्यकता होगी?

पक्का माल	कच्चा माल
कपड़े	रुई
टेबल	-----------
रोटी	-----------
इमारत	-----------
गहने	-----------
जूते	-----------

आओ हिंदी सीखे

* रोचकता से हिंदी भाषा सिखाने के लिए आओ हिंदी सीखे पुस्तक मालिका 3 स्तरों पर उचित क्रम से (जैसे- सरलतम से कठिनतम) की गयी है।

* ये किताबें आकर्षक चित्रों से, मनोरंजक कहानियों से तथा पात्रों से परिपूर्ण हैं, जिससे बच्चा आसानी से एवम् सरलता से हिंदी भाषा सीख पाएगा।

* इसमें दी हुई गतिविधियाँ बच्चों को पढ़ाई हुई संकल्पना स्थिर और दृढ़ करने में प्रयत्न करती हैं।

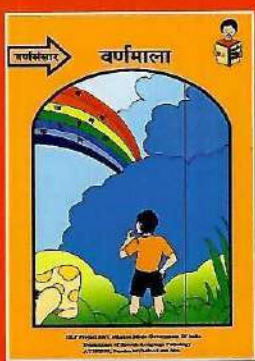

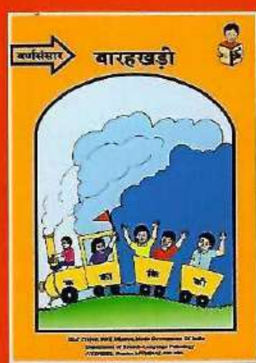

वर्ण संसार

- वर्णमाला
- बारहखड़ी
- संयुक्ताक्षर

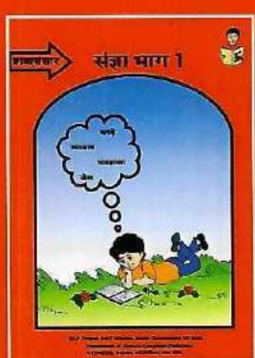

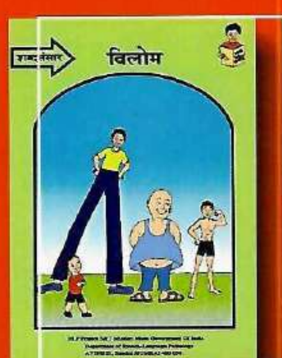

शब्द संसार भाग -1

- संज्ञा भाग -1
- संज्ञा भाग -2
- संज्ञा भाग -3
- संज्ञा भाग -4
- विलोम

शब्द संसार भाग -2

- शब्द एक अर्थ अनेक
- अर्थ एक शब्द अनेक
- विशेषण
- अनुप्रासक शब्द
- ऊनार्थक

भाग -3

- क्रिया
- क्रिया काल रूप
- प्रेरणार्थक क्रिया
- शब्द रूप परिवर्तन
- सर्वनाम

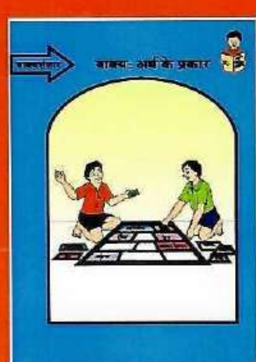

वाक्य संसार

- वाक्य-1 वाक्य के अवयव
- वाक्य-2 रचना के प्रकार
- वाक्य-3 अर्थ के प्रकार
- वाक्य-4 वाच्य के प्रकार
- वाचन और लेखन कौशल्य

* भाषिक वातावरण का निर्माण करके बच्चों में पढ़ने की इच्छा बढ़ाती है।